7 से 21 दिसम्बर, 2022

टेक्सटाइल वर्ल्ड

Apsara
BY RUBY

Matching Fabrics
now have a new
benchmark.

Stunning colours • Amazing Hand-feel • Consistent Ruby Quality

RUBY
SINCE 1917

Quality it is.

Quality is world-class shrinkage control.
Quality is the finish that lasts, wash after wash.
Quality is perfectly distributed adhesive on interlining.
Quality is pushing the whiteness index to up there and producing whites consistently at that level.
Quality is what keeps pilling at bay, while the world wonders how we do it.

At Ruby, we imagine the myriad expressions of quality and deliver the same. Every time.

Truly, our reason to be.

RUBY FABRICS | RUBY GOLD | RUBY LINEN 1917 | HITLINE BY RUBY | RUBY INTERLINING SOLUTIONS | ORIGINAL CREATORS OF BUSY LIZZIE® & LUSTEROUS® VENTURE

There are some fabrics you remember.
The bounce, the texture, the feel.

We could tell you that our Linens are made from
the choicest of fibres with an unmatched finish.
Though true, it would sound like any other fabric advertisement.

Instead, we would like to invite you.
Come over to the Ruby Studio in Mumbai.
Experience Ruby Linen -1917-.

Because there are some fabrics you remember.
And some fabrics you simply can't forget.

RUBY
LINEN
1917

A Cut Above.

RUBY KASHI

RUBY MILLS • NATIONWIDE DEALER CONFERENCE • 2022

रूबी मिल्स की राष्ट्रस्तरीय कॉन्फ्रेंस सम्पन्न

मुम्बई/ देश की प्रतिष्ठित टेक्सटाइल कम्पनी **रूबी मिल्स** द्वारा दिनांक 15 से 17 नवम्बर तक रमाडा, बनारस में एक सेल्स कॉन्फ्रेंस का भव्य आयोजन किया, जिसमें देशभर के डीलर्स ने भाग लिया।

कोविड-19 के बाद आयोजित इस कॉन्फ्रेंस का शुभारम्भ गंगा आरती के साथ किया गया।

यह पहला अवसर था, जिसमें रूबी मिल ने कॉन्फ्रेंस में कम्पनी द्वारा उत्पादित समस्त यार्न डाइड व प्रिण्ट्स की विस्तृत श्रृंखला में लिनन उत्पादों को प्रदर्शित किया, जिसे उपस्थित डीलर्स ने काफी सराहा व शानदार बुकिंग दी। साथ ही उन्हें रूबी के इन हाउस डवलपमेण्ट की विभिन्न जानकारी दी गई।

इस कॉन्फ्रेंस का प्रमुख आकर्षण नए किस्म से बनाई गई बेंच मार्क क्वालिटी '**अप्सरा**' थी। इसके कलर व फील इतने बेहतरीन हैं कि पूरे मार्केट से इसे सराहना मिल रही है।

कम्पनी के **प्रेसीडेंट श्री रिषभ शाह** ने कहा कि इस वस्त्र के कलर और फिनिशिंग की सभी व्यापारियों ने प्रशंसा करते हुए सराहना की है। उन्होंने कहा की कम समय में ही यह प्रिफर्ड मैचिंग फैब्रिक बनने की राह पर है।

इस वर्ष किए गए नए डवलपमेण्ट्स को सभी डीलर्स से जोरदार रिस्पोंस मिल रहा है और यह गेम चेंजर साबित हो रहा है। इवेण्ट के माध्यम से मैनेजमेण्ट को अपने डीलर्स से वापस जुड़ने का अच्छा अवसर मिला।

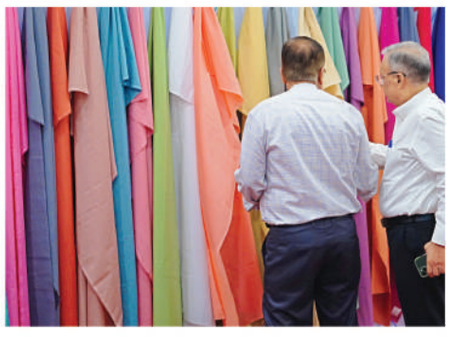

पाक्षिक

टेक्सटाइल वर्ल्ड

SINCE 1998

Postal Registration No : BHILWARA/208/2021-2023 Posting on 09-12-2022 at Rail Mail Service, Bhilwara

वर्ष-25 | अंक-12 | भीलवाड़ा/ 07 दिसम्बर, 2022 | कुल पृष्ठ- 14 | मूल्य : 25 रुपए

2025-26 में देश का टेक्सटाइल-गारमेण्ट बाजार बढ़कर 250 बिलियन डॉलर होने का अनुमान

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

हालांकि पिछले कुछ महिनों से देश से टेक्सटाइल व गारमेंट के निर्यात में कमी आई है, लेकिन विगत दिनों औद्योगिक संगठन फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री यानि फिक्की और सलाहकार कम्पनी वजीर एडवाईजर्स द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025-26 के दौरान देश इस सेक्टर का कुल कारोबार 250 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। पिछले दिनों फिक्की और वजीर एडवाईजर्स ने ''बिल्डिंग ए रोडमैप फॉर 250 बिलियन डॉलर सस्टेनएबल टेक्सटाइल इंडस्ट्री'' नामक एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के टेक्सटाइल और अपेरल बाजार में 2025-26 तक बढ़कर 250 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की क्षमता है। इस समय टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर का कुल कारोबार लगभग 153 बिलियन डॉलर का है। इसमें घरेलू बाजार 110 बिलियन डॉलर और निर्यात बाजार 43 बिलियन डॉलर का है। रिपोर्ट के अनुसार विश्व बाजार में सस्टेनएबिलिटी और सर्कुलर फैशन, वैश्विक ब्रांडों की चाईना प्लस वन की नीति भारत जैसे देशों को विश्व बाजार में अपनी भागीदारी बढ़ाने में सहयोग करेगी। फैशन सप्लाई चैन में बढ़ती डिजिटलाईजेशन की आवश्यकता, सिंथेटिक आधारित फैब्रिक और गारमेंट की मांग भी निर्यात बाजार में भागीदारी बढ़ाने में सहायता करेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025-26 तक टेक्सटाइल और गारमेंट कारोबार को 250 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए भारत सरकार को भी पहल करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार 2021 में विश्व में अपेरल की खपत लभग 1.5 ट्रिलियन डॉलर थी, जो 2025 में बढ़कर 2 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है। इस समय टेक्सटाइल और अपेरल का कुल वैश्विक कारोबार लगभग 869 बिलियन डॉलर का है, जो 2025-26 तक 3.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 1,000 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है।

फिक्की के सदस्य और मस्टंग इंटरप्राईजेज के सह-संस्थापक लुबेइना शाहपुरवाला का कहना है कि इनोवेशन और दक्षता भारतीय टेक्सटाइल व गारमेंट उद्योग को विश्व बाजार में अपनी पहुंच बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

शेषांश पृष्ठ 6 पर...

उत्तर प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन सम्पन्न

कानपुर

उत्तरप्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन का गत दिनों वाराणसी में आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमा शंकर अग्रवाल ने कहा कि सन् 1937 में स्थापित इस सम्मेलन ने कई चुनौतियों का सामना किया है। इस अवसर पर निर्वाचन प्रक्रिया के तहत कानपुर के श्री श्री गोपाल तुलस्यान निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। श्री तुलस्यान ने सामाजिक योगदान की प्रतिबद्धता जाहिर की व परोपकार, सेवा जैसे कार्यों को निरन्तर जारी रखने का विश्वास दिलाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री श्री रवीन्द्र जायसवाल थे, जिन्होंने उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने की घोषणा की तथा ऐसे व्यक्तियों को अंगवस्त्र तथा मान पत्र देकर सम्मानित किया। वाराणसी शाखा के अध्यक्ष ने सभी अतिथियों का स्वागत किया व सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर परिचर्चा का भी आयोजन किया, जिसमें प्रबुद्ध जनों ने भाग लिया।

सर्दी से ग्राहकी सुस्त : पेमेंट पोजीशन टाइट

पाली/ कैलाश टवाणी

उत्तर भारत में सर्दी शुरू होने के साथ ही बाजार में भयंकर सुस्ती छा गई है। अब मलमास 14 जनवरी को खत्म होने के बाद ही चलने की उम्मीद है। दक्षिण भारत में भी पोंगल की ग्राहकी शुरू नहीं हुई है। ग्राहकी सुस्त होने के कारण मांग नहीं होने से डाइंग प्रिंटिंग में प्रोग्राम नहीं है। जेएलडी शुरू होने के बाद भाव बड़े हैं किंतु मांग नहीं है। मांग आने के साथ ही रेट बढ़ जाएगी।

जेएलडी लगने के बाद पानी का अपव्यय करने पर कड़ी कार्यवाही करने के आदेश कलेक्टर ने जारी किए हैं। इसका एक प्लांट शुरू हो चुका है जबकि दूसरे की तैयारी है। इसके बाद प्रदूषण से निजात मिल जाएगी। पाली में निर्मित होने वाले हल्के अस्तर उत्पादन की स्थिति शोचनीय है। इसका स्टॉक भरा पड़ा है लेकिन लेवाल नहीं है। इसमें 2 रुपया प्रति मीटर की मंदी भी आ चुकी है।

दिसम्बर शुरू होते ही बाज़ार की चहल पहल पर लगे ब्रेक

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल

मुजफ्फरनगर व आस पास की कपड़ा मार्केट्स में अक्टूबर व नवम्बर माह में अच्छा खासा कारोबार होने के बाद बाजार की चहल पहल थम सी गई है। पहले त्यौहारी सीजन, फिर लगन साया की बिक्री, अब 12 नवम्बर के बाद लगन साया पर ब्रेक व पौष मास की पूरी ठंडी के कारण बिक्री कमज़ोर पड़ गई है। अब रिटेलर खुद खरीद न करके व अपने स्टॉक कम करके देनदारी पर काबू पाने की कोशिश में हर प्रतिष्ठित व्यापारी है। केवल अति आवश्यक माल की ही खरीद कर रहे हैं। यह प्रक्रिया प्रत्येक सैगमेंट में लगभग 30 दिन जारी रह सकती है, फिर जनवरी में धुआंधार काम चलने की संभावना है, यद्यपि नेशनल लेवल पर जो ग्रोथ रीयल एस्टेट व ऑटो सेक्टर में दिखाई देती है, कपड़ा मार्केट्स उससे कहीं दूर दिखाई देता है। मुजफ्फरनगर के प्रतिष्ठित एजेंट सर्व श्री घनश्याम पालीवाल, बत्रा पवन, के पी त्यागी, सुदर्शन खरबंदा, अमृत राठी, लक्ष्मण रस्तौगी, खन्ना जी, पवन शर्मा आदि के अनुसार थोक विक्रेताओं की खरीदारी बल्क में 15 दिनों बाद होने वाली है।

क्वालिटी टेक्सटाइल

झांसी/ स्थानीय वस्त्र मंडी में प्रसिद्ध होलसेल व्यवसायी श्री अशोक सिंघल द्वारा सन 1983 से इस क्षेत्र में कार्य की शुरुआत की गई एवं निरंतर अथक परिश्रम तथा अनुभव से कपड़ा व्यापार में बेहतर नाम स्थापित किया।

सन 2012 में इनके सुपुत्र श्री प्रफुल्ल सिंघल भी व्यापार में शामिल हुए एवं अनुभव हासिल करते हुए कार्य कर रहे हैं। व्यापार की जानकारी देते हुए श्री सिंघल ने बताया कि हमारी फर्म के अंतर्गत सूटिंग शर्टिंग की आपूर्ति की जा रही है जिसमें सुगम फैब, वाल्जी, जालान, क्यूमेक्स, स्पर्श फैब, गणेशम यूनिफॉर्म, बजाज यूनिफॉर्म भीलवाड़ा, बजाज फैब मुंबई के उत्पाद शामिल हैं। शर्टिंग जालान मुंबई की सप्लाई की जा रही है। इनका कारोबार झांसी शहर एवं सराउंडिंग 125 से 150 किलोमीटर के दायरे में हो रहा है। श्री अशोक सिंघल स्थानीय कपड़ा व्यापार संगठन झांसी थोक वस्त्र व्यापार मंडल के अध्यक्ष पद पर भी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक 2 वर्ष के बाद चुनाव संपन्न होते हैं। गौरतलब है कि इससे पूर्व में श्री सिंघल तीन बार इस पद पर सेवाएं दे चुके हैं। यह संगठन व्यापारियों की लेनदेन संबंधी समस्याओं का निस्तारण करवा कर समाधान करवाता हैं।

एक मुलाकात - टेक्सटाइल वर्ल्ड के चेन्नई संवादाता दीपक सुराणा की श्री MA. सुब्रमण्यम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री (तमिलनाडु सरकार) से शिष्टाचार भेंट

कपड़ा मिलों को कुछ राहत : पीएसएफ के भाव में हुई कटौती

नई दिल्ली/ कॉटन के ऊंचे भाव से त्रस्त कपड़ा मिलों के लिए एक राहत का समाचार भी आया है। जानकारों का कहना है कि देश के सबसे बड़े पोलिस्टी स्टेपल फाईबर (पीएसएफ) के भाव में कटौती कर दी है। व्यापारियों के अनुसार रिलाइंस इंडस्ट्रीज ने दिसम्बर के पहले पखवाड़े के लिए पीएसएफ के भाव में कमी कर दी है। पिछले दिनों 3 रुपए प्रति किलो की कटौती की घोषणा के बाद पीएसएफ का अधिकारिक भाव 99 रुपए प्रति किलो हो गया है। बहरहाल, बाजार में यह इससे कम भाव में मिल रहा है, क्योंकि कम्पनी विभिन्न स्कीमों के तहत कुछ डिस्काउंट भी दे रही है। बाजार की मांग और विश्व बाजार से मिल रहे संकेतों को देखते हुए पीएसएफ के भाव में लगातार कमी आ रही है। उल्लेखनीय है कि विश्व बाजार में कच्चे तेल के भाव में नरमी के साथ ही पीएसएफ में चीन की मांग भी कमजोर बताई जा रही है और इससे भाव पर दबाव बना हुआ है, ऐसे में पीएसएफ के भाव में कमी से कपड़ा उद्योग को कुछ राहत मिल सकती है, क्योंकि कॉटन का सीजन होने के बावजूद इसके भाव में आशानुरुप मंदा नहीं आने से कॉटन यार्न के भाव ऊंचे बने हुए हैं।

टेक्सटाइल और गारमेंट निर्यात में भारी गिरावट

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

विश्व के अनेक देशों से मांग नहीं आने से अक्टूबर के दौरान देश से टेक्सटाइल और गारमेंट निर्यात में भारी गिरावट रही। वस्तुतः विश्व के सभी देशों में बढ़ती मुद्रा स्फिति के प्रकोप से टेक्सटाइल व गारमेंट की मांग प्रभावित हो रही है और यही कारण है कि देश से इनका निर्यात कम हो रहा है। उल्लेखनीय है कि अनेक महिनों के बाद यह पहला अवसर है, जब अक्टूबर में देश से कुल निर्यात में गिरावट आई है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अक्टूबर में टेक्सटाइल और गारमेंट निर्यात में कुल मिलाकर 34 प्रतिशत की कमी आई है। जहां टेक्सटाइल के निर्यात में अक्टूबर के दौरान गत वर्ष की तुलना में 41 प्रतिशत की गिरावट आई है, वहीं गारमेंट निर्यात 21 प्रतिशत घटा है। कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष के पहले 7 महिनों यानि अप्रैल-अक्टूबर के दौरान टेक्सटाइल के निर्यात में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन इसी अवधि में गारमेंट निर्यात में 6 प्रतिशत का सुधार भी हुआ है। आलोच्य अवधि में टेक्सटाइल और गारमेंट के कुल निर्यात में 10 प्रतिशत की कमी आई है।

योगदान घटा- प्राप्त आंकड़ों अनुसार देश के कुल निर्यात में टेक्सटाइल और गारमेंट निर्यात की हिस्सेदारी घट कर 7 प्रतिशत रह गई, जबकि गत वर्ष अक्टूबर में इस सेक्टर का योगदान 9 प्रतिशत था। जानकारों का मानना है कि विश्व बाजार की स्थिति को देखते हुए आगामी दिनों में भी देश से टेक्सटाइल और गारमेंट का निर्यात प्रभावित रह सकता है।

वस्त्रोद्योग को स्थिर नीति अपेक्षित नई नीति में नवसंजीवनी की आशा

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

गए कुछ सालों से समस्या का सामना कर रहे वस्त्रोद्योग को नई नीति से नवसंजीवनी मिलने की संभावना है। हर समय नीति और योजना जाहिर होती है, लेकिन पाँच साल उसमें स्थिरता नही होती। कई योजना पर अमल ही नहीं होता। ऐसे में कुल वस्त्रोद्योग की स्थिति अस्थिर बनती है। आने वाले 2023 से 2028 तक के साल की नीति में स्थिरता रहे और इसमें पावरलूमधारक केंद्र बिंदु बना रहे, ऐसी अपेक्षा व्यक्त हो रही है। खेती के बाद सबसे बड़ा रोजगार देने वाले इस उद्योग को सरकार ने सहुलियत और स्थिरता दी तो ही व्यवसाय प्रतिस्पर्धा में टिकेगा। इससे पहले जाहिर हुई वस्त्रोद्योग नीति और योजना पर आज तक कुछ हद तक अमल नहीं हुआ है। अब नई नीति तय करने के लिए 24 लोगों की समीति का गठन किया है, उस माध्यम से अब सक्षम और स्थिर नीति सामने आना अपेक्षित है। पॉवरलूमधारकों की स्थिति बड़ी अस्थिर है। उनको आधुनिक पॉवरलूम की ओर रूपांतरित होने के लिए आर्थिक निवेश की तफावत बड़ी होने के चलते वह संभव नही है। ऐसे में इस उद्योग को जिंदा रखना है तो एक रुपए की अतिरिक्त बिजली सहुलियत और धोती, पोपलिन, फैब्रिक ऐसे चुनिंदा उत्पादन सीधे पॉवरलूम के लिए कानूनी आरक्षित रखना जरुरी है, ऐसे में समिति इस पर सोचकर ही नीति जाहिर करेगी, ऐसी अपेक्षा व्यक्त की जा रही है। नीति और योजना का प्रत्यक्ष अमल इसपर कई बार अमल नही होता। योजना लागू होती है, उसमें होने वाली व नहीं समझ आने वाली प्रक्रिया के चलते कई बार लाभ नही मिलता, ऐसे में स्थिर नीति लागू करे।

पेमेण्ट की आवक बनी हुई है

ब्यावर/ अनिल डोसी

बाजार में ग्राहकी धीमी चल रही है, क्योंकि शादी ब्याह की खरीददारी पहले ही हो चुकी है। सर्दी शुरू होने से गरम माल की बिक्री शुरू हो गई है और इसकी मांग बनी हुई है। सूटिंग शर्टिंग, ड्रेस मटेरियल, साड़िया, धोती आदि की मांग सामान्य है और व्यापारी भी जरूरत के हिसाब से ही माल मंगवा रहे हैं। सर्दी के साथ ही गरम माल की मांग और बिक्री अच्छी रहने की आशा है।

बाजार में फिर सन्नाटा, पेमेंट की हालत खराब

सतना/ बलराम शुक्ला

दीपावली के एक सप्ताह पहले तक मार्केट में चहल पहल थी, किंतु जैसे ही देव उठनी एकादशी हुई व्यापार एकदम शांत हो गया। बाजार में लेवाल नहीं है, सिर्फ देवाल दिख रहे हैं। इस समय मना करने के बाद भी सूरत अहमदाबाद, पाली, जयपुर, बालोतरा व बैंगलोर के सप्लायर के प्रतिनिधि दिख रहे हैं। काम किसी का नहीं हो रहा है, जबकि इस समय पोपलीन, अस्तर के रेट कम हुए हैं। यही हाल ईरोड़ के गमछों की है, इसमें भी चार से पांच रुपये रेट कम हुए हैं। सबसे ज्यादा रेटों में गिरावट ईरोड़ की पोपलीन में बतायी जा रही है। पहली बार ऐसा हुआ है कि देशावर से फोन पर फोन आ रहे हैं, लेकिन काम बिल्कुल नहीं हो रहा है। सबसे ज्यादा खराब हालत पेमेंट की चल रही है। यदि मार्केट नहीं चला, तो कुछ दुकानें बंद हो जायेंगी, क्योंकि बहुत सी ऐसी दुकानें हैं, जो ऑक्सीजन पर चल रही है। उनको यदि उधारी की आक्सीजन नहीं मिलेगी तो हाथ ऊपर उठा देंगें, ऐसी बाजार में चर्चा चल रही है। जो सप्लायर सेल बढ़ाने के लालच में नये-नये एजेंटों को काम दे देते हैं, उन्हीं लोगों को यह परेशानी आने वाली है।

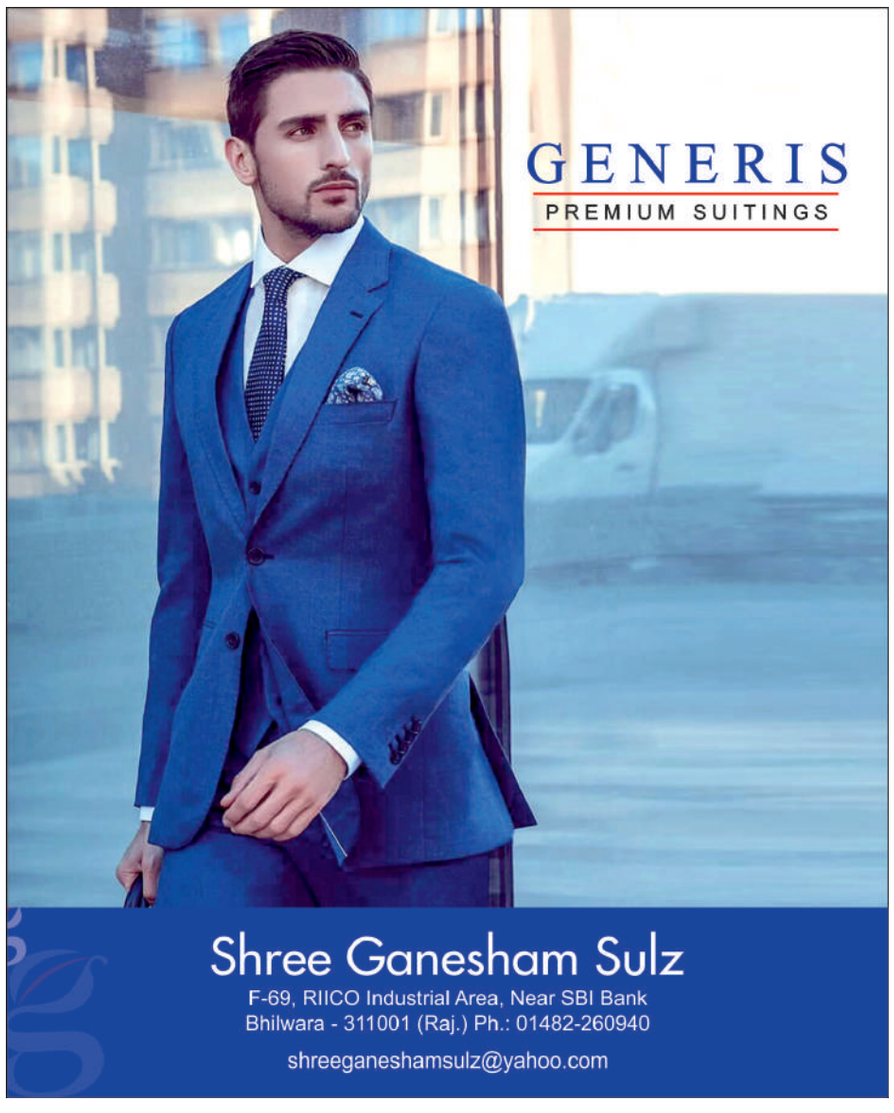

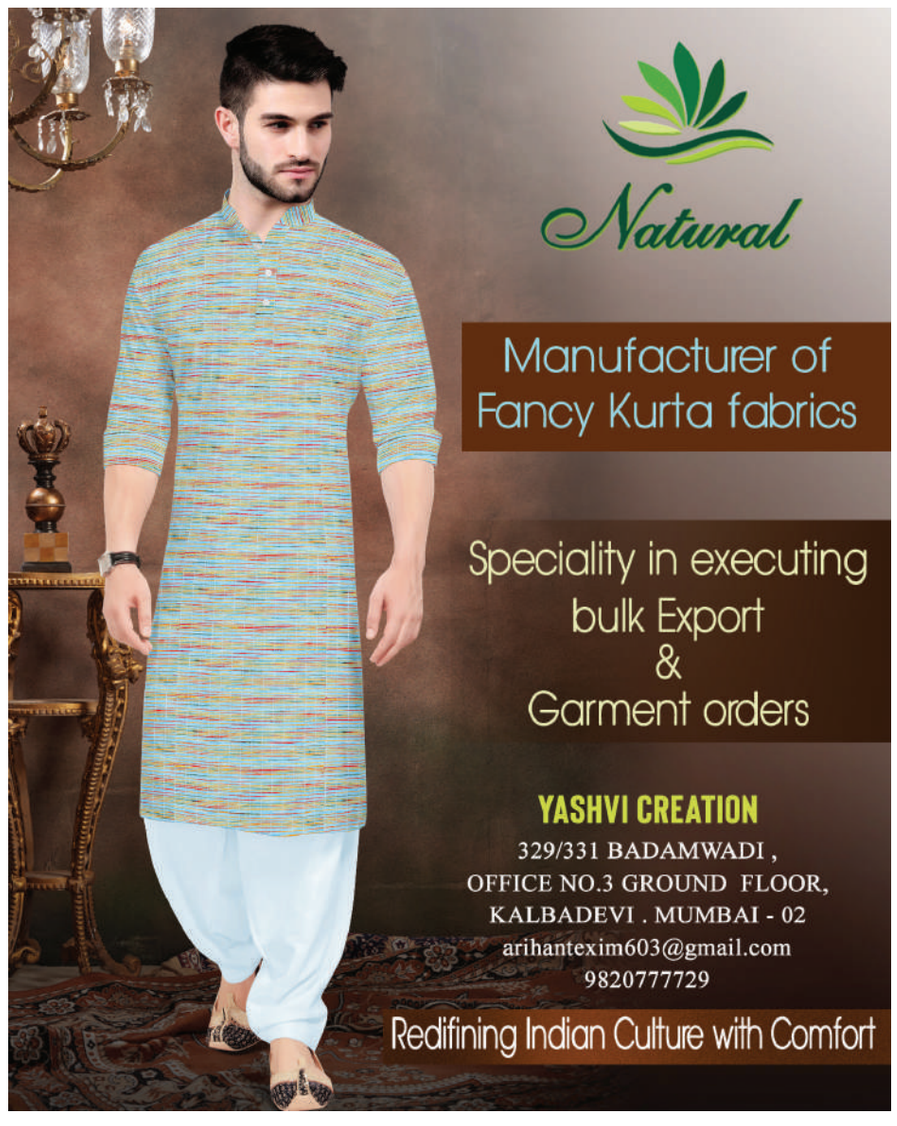

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने की चेन्नई में 'टेक्सटाइल सिटी' स्थापित करने की घोषणा

एम के स्टालिन, मुख्यमंत्री (तमिलनाडु)

चेन्नई/ दीपक सुराणा

चेन्नई भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा 25-26 नवम्बर को टेक्निकल टेक्सटाइल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के दौरान अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु कपड़ा क्षेत्र में एक वैश्विक खिलाड़ी के रूप में उभरने की स्थिति में है, साथ ही मुख्यमंत्री ने चेन्नई में एक 'टेक्सटाइल सिटी' स्थापित करने की घोषणा की है। राज्य सरकार यहां एक टेक्सटाइल पार्क भी स्थापित करेगी। तमिलनाडु का विरुधुनगर जिला 1,500 एकड़ में फैला हुआ है, उसमें से सिपकोट जमीन का अधिग्रहण करेगा।

सीआईआई द्वारा राज्य और केंद्र सरकारों के कपड़ा विभागों के सहयोग से आयोजित तकनीकी वस्त्रों पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कपड़ा क्षैत्र में राज्य की प्रतिस्पर्धा केवल एक सीमा के भीतर नहीं होनी चाहिए क्योंकि आज यह प्रतिस्पर्धा वैश्विक स्तर पर है। तमिलनाडु कपड़ा क्षेत्र में विदेशी निवेश और निर्यात आकर्षित करने में देश में तीसरे स्थान पर है तथा तमिलनाडु राज्य, भारत के कुल कपड़ा निर्यात का 12 प्रतिशत योगदान देता है।'

मुख्यमंत्री ने टेक्निकल टेक्सटाइल के ऊपर भी जोर दिया, उन्होंने कहा कि टेक्निकल टेक्सटाइल को एक उभरते हुए क्षेत्र के रूप में चिन्हित करने के बाद, राज्य इस क्षेत्र के विकास के लिए प्राथमिकता और आवश्यक जोर दे रही है। 'राज्य सरकार इसलिए प्राथमिकता दे रही है क्योंकि, कपड़ा क्षेत्र का भविष्य तकनीकी वस्त्रों के विकास पर निर्भर करता है। राज्य जल्द ही करूर, तिरुपुर और कांचीपुरम में कपड़ा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 'निर्यात केंद्र' स्थापित करेगा। एकीकृत कपड़ा नीति के तहत मुख्यमंत्री ने तकनीकी कपड़ा उद्योग के विकास को बढ़ावा देने के लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उद्यमियों से राज्य में निवेश करने का आग्रह किया।

राज्य के कपड़ा विभाग के एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि टेक्सटाइल सिटी चेन्नई शहर के बाहरी इलाके में आउटर रिंग रोड़ पर 100 एकड़ में विकसित होगी। यह सुविधा, जिसे भारत में सबसे बड़े 'टेक्सटाइल सिटी' के रूप में योजनाबद्ध किया गया है, कपड़ा उद्योग के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों को प्रदर्शित करेगा।

राज्य के उद्योग मंत्री थंगम थेनारासू ने कहा कि कपड़ा उद्योग तमिलनाडु में कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र 60 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है। इस अवसर पर तकनीकी कपड़ा उत्पादन और कपड़ा प्रसंस्करण के क्षेत्र में तमिलनाडु के अलावा अमेरिका, चेक गणराज्य और जापान की कंपनियों के साथ छह समझौता का आदान-प्रदान भी किया गया।

सर्दी के साथ ही ऊनी वस्त्रों की मांग बढ़ी

उदयपुर / नवीन कोठारी

तापमान में गिरावट के साथ ही दिनों दिन सर्दी बढ़ती जा रही है और जैसे-जैसे सर्दी बढ़ रही है, वैसे वैसे ऊनी वस्त्रों की मांग भी बढ़ रही है। शहर के सभी ऊनी वस्त्र बाजार जो अस्थायी रूप से सिर्फ सर्दी के दिनों में लगते हैं, जिनमें दो बाजार मुख्य हैं। पहला समोर बाग में लगने वाला तिब्बतियन मार्केट और टाऊन हाल में लगने वाला दूसरा हरियाणा वूलन बाजार। ये पूरी तैयारी के साथ खुल चुके हैं। इसके अलावा भी शहर के विभिन्न हिस्सों में ऊनी वस्त्र विक्रेताओं ने बाजार लगा रखे हैं। कई जगह पर थड़ी लगाकर और कई जगह हाथ थेलों में, तो कुछ स्थानों पर चार पहिया वाहनों में भी ऊनी वस्त्र विक्रय होते देखे जा रहे हैं। स्थाई ऊनी वस्त्र प्रतिष्ठानों की भी शहर में कमी नहीं हैं, इसके बावजूद सीजनल प्रतिष्ठानों पर अच्छी बिक्री देखने को मिल रही है। जानकारों की मानें तो अभी सर्दी की शुरुआत है, आने वाले दिनों में और सर्दी बढ़ेगी, मावठ भी हो सकती है, ऐसी स्थिति में ऊनी वस्त्रों की मांग और बढ़ने के आसार हैं।

J.HAMPSTEAD
WORLD'S FINEST FABRIC & APPAREL
A DIFFERENT LEAGUE

Available at J.Hampstead Exclusive Brand Outlets: Gwalior | Navi Mumbai | Nawanshahr (Punjab) | Palanpur | Ratlam | Vadodara
Also, available at all the leading retail outlets and Siyaram's SHOP across the country.
For trade/corporate enquiries, contact: 022-68330500. | Toll-free No.: 1800 209 4005. For franchise enquiries, contact: +91 98333 67616.
Email: enquiries.jhampstead@siyaram.com | Follow us on:

गीडा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि रेडीमेड गारमेंट सेक्टर में अपार संभावनाएं

गीडा के 33वें स्थापना दिवस के अवसर पर गत दिनों विभिन्न परियोजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए वीएन डायर के डायरेक्टर श्री विष्णु अजीत सरिया।

गोरखपुर/ लालजी सिंह

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रेडीमेड गारमेंट सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं। यदि रेडीमेड गारमेंट को प्रोत्साहन दिया जाए तो यहां के उत्पाद दक्षिण पूर्व एशिया से लेकर यूरोप तक छा जाएंगे। ऐसा होने से लाखों युवाओं और महिलाओं को रोजगार मिलेगा। हमें एक्सपोर्ट प्रमोशन को लेकर प्रयास करना चाहिए।

एक्सपोर्ट सेक्टर में कारोबार बढ़ेगा

गीडा के 33 वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गीडा में स्थापित हो रही रेडीमेड गारमेंट फैक्ट्रियाँ महिलाओं के स्वावलंबन का बड़ा आधार बन सकती हैं। मातृशक्ति की ताकत को समाज अभी समझ नहीं पा रहा, जबकि वे गृहस्थी संभालने के साथ स्वावलंबन का नया मॉडल खड़ा कर सकती हैं।

उन्होंने कहा कि आज के दौर में किसी भी उत्पाद की डिजाइनिंग व पैकेजिंग का बड़ा महत्व है। इसके बिना उत्पाद को अपेक्षित महत्ता नहीं मिल पाती है। उन्होंने गीडा को पैकेजिंग इंस्टीट्यूट खोलने की तैयारी करने का निर्देश दिया।

कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित उद्यमियों को बैठने की जगह नहीं मिली। मंच के सामने की पहली और दूसरी कतार की सीटों पर अन्य लोगों का कब्जा हो गया था। गीडा प्रशासन ने उद्यमियों के बैठने लिए अलग से कोई ब्लॉक नहीं बनाया था। उद्यमियों का कहना है कि गीडा प्रशासन को आगे से ऐसे कार्य म में इन बातों का ध्यान रखना चाहिए। गीडा दिवस के मौके पर गीडा ने चेंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के सहयोग से 24 स्टॉल लगाए। अधिकतर नए उद्यमियों को मौका दिया गया। मुख्यमंत्री ने इन स्टॉलों का जायजा लिया और प्रोत्साहित किया।

गीडा से धुरियापार तक होगा औद्योगिक विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक विकास का नया क्षेत्र गीडा से धुरियापार तक होगा। इसके लिए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे के कार्य को तेजी से बढ़ाया जा रहा है। औद्योगिक विकास को नया आकार मिलने से लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा। गोरखपुर आज हेल्थ और एजुकेशन सेक्टर का हब बन चुका है। गोरखपुर व पूर्वी उत्तर प्रदेश रोजगार का बड़ा केंद्र भी बन गया है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास की दृष्टि से शून्य और अति पिछड़े जिलों में गिना जाने वाला गोरखपुर पिछले पांच सालों से विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। नब्बे के दशक में नए उद्योगों की स्थापना तो दूर, पहले से चले आ रहे उद्योग भी बंद होते जा रहे थे। उन्होंने कहा कि साल 1989 में गीडा की स्थापना का प्रयास कागजी खानापूर्ति तक सीमित था। आवागमन के साधन नहीं थे। सड़कों की दशा अति जर्जर थी। गोरखपुर से लखनऊ जाने में 8 से 10 घंटे और वाराणसी जाने में 6 से 7 घंटे लग जाते थे। एयर कनेक्टिविटी नहीं थी। ट्रेनों में सीटें नहीं मिलती थीं। साल 2017 के बाद तस्वीर बदल गई है।

महाराष्ट्र में नॉन वूवन फैब्रिक्स बैग को राहत देने पर महाराष्ट्र सरकार का हार्दिक आभार

टेक्सटाइल उद्योग जगत में खुशी

मुंबई/ महाराष्ट्र में नॉन-वूवन पॉलिप्रोपीलीन बैग को मंजूरी मिल है, हालांकि इसकी मोटाई कम से कम 60 जीएसएम होनी जरूरी है। महाविकास आघाडी की सरकार के समय से ही इन बैग्स को बैन से बाहर करने की कोशिश चल रही थी। महाराष्ट्र में सरकार बदलने के बाद पर्यावरण विभाग मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने पास रखा, तो इस मामले में व्यापारियों ने उनसे बात की। विचार-विमर्श के बाद सरकार ने इसमें आवश्यक बदलाव करने का फैसला ले लिया। ऑल महाराष्ट्र असोसिएशन ऑफ नॉन वोवन के अध्यक्ष पी. सी. जैन ने कहा कि सरकार का यह फैसला स्वागत योग्य है। इससे न केवल ग्राहकों और व्यापारियों को विकल्प मिल सकेगा, बल्कि महाराष्ट्र में निवेश भी बढ़ेगा।

प्लास्टिक में भी कुछ राहत

सरकार द्वारा जारी किए आदेश के मुताबिक जिन उत्पादों की पैकेजिंग में पतली प्लास्टिक के चलते दिक्क त हो रही है, वहां इसका इस्तेमाल पैकेजिंग के रूप में करने की अनुमति दी गई है। लेकिन बाकी जगहों पर पहले की तरह ही मोटी प्लास्टिक से ही पैकेजिंग करनी होगी। आदेश में डिस्पोजेबल पदार्थों से बनने वाले स्ट्रॉ, प्लेट और अन्य आइटम को केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड और सीआईपीईटी में मंजूरी लेना आवश्यक है।

असरदार नहीं रहा है बैन

महाराष्ट्र में प्लास्टिक बेन लागू होने के बाद भी जमीनी स्तर पर यह असरदार नजर नहीं आ रहा है। तमाम कोशिशों के बावजूद प्लास्टिक बैग धड़ल्ले से मार्केट में बिक रहे हैं। जानकारों के मुताबिक, प्लास्टिक का पर्याप्त विकल्प न होने के कारण व्यापारी और आम लोग इसका इस्तेमाल करने पर मजबूर हो रहे हैं।

नजरिया

केंद्र सरकार की तर्ज पर महाराष्ट्र में भी नॉन वोवन बैग को अनुमति देने का फैसला नियमों में समानता लाने के उद्देश्य से उठाया गया कदम है। पर्यावरण की रक्षा के लिए प्लास्टिक बैन एक अच्छी संकल्पना है, लेकिन इसे पूरी तरह से प्रभावी बनाने के लिए जरूरी है कि प्लास्टिक के सस्ते और आसान विकल्प लाए जाएं। इस दिशा में सरकार को बड़ी पहल कर सरकारी और प्राइवेट प्लेयर्स को रिसर्च के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

कम भाव पर कपास नहीं बेचने की किसानों की हठ से देश में रुई के भाव वैश्विक बेंचमार्क की तुलना में अधिक होने से निर्यात नहीं बढ़ा

मुंबई/ रुई एवं कपास की आवक हाजिर बाजार में अपेक्षा से कम हो रही है। यद्यपि रुई के भाव नीचे की ओर उतर गए है। आवक शुरू हुए दो महीने होने के बाद भी जिनिंग इकाईयों को समुचित कपास नहीं मिला रहा है। किसानों की माल पर पकड़ मजबूत है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अधिक उत्पादन होने के अनुमान के बीच हाजिर बाजारों में सामान्य की अपेक्षा एक तिहाई जितना कपास की आवक हो रही है। कमोबेश ऐसी स्थिति रुई की बताई जा रही है। आगामी दिनों में और अच्छा भाव मिलने की आशा से किसानों ने कपास बेचना रोक रखा है। सीमित आपूर्ति होने के कारण स्थानीय स्तर पर रुई के भाव वैश्विक बेंचमार्क की तुलना में अधिक होने से निर्यात नहीं बढ़ सकता है। सूत्रों का कहना है कि जिनिंग मिलें सस्ते भाव पर कपास खरीदना चाहती है,और उस भाव पर किसानों की बिकवाली कमजोर है। किसानों को पिछली सीजन में उनकी उपज का बहुत ही अच्छा मोल मिला था, लेकिन इस बार नई सीजन में वह भाव मिलने की संभावना नहीं लग रही है। इसके पीछे का कारण यह है कि देश में इस बार रुई की पैदावार अधिक है तो दूसरी ओर वैश्विक भाव में गिरावट आई है। जिन किसानों से पिछली सीजन में थोड़े कम भाव पर बेचा था और बाद में भाव इतना बढ़े कि दोगुने हो गए, वैसी नौबत इस बार नहीं दिखाई दे रही है। फिर भी किसानों ने अपने मन में एक निश्चित भाव पाना बैठा लिया है कि इससे कम भाव पर कपास की बिक्री नहीं करना है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने देश में रुई का उत्पादन 344 लाख गांठ होने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है, लेकिन किसान इस अनुमान को नकार रहे हैं।

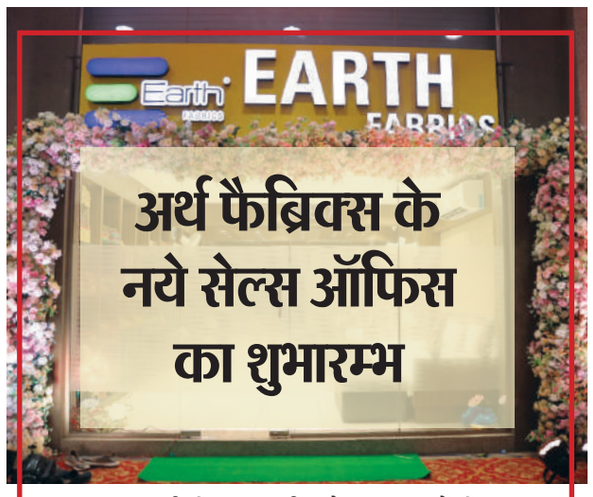

सूरत/ बनारसी सिल्क साड़ीज के उत्पादन में सिद्धहस्त कंपनी **'अर्थ फैब्रिक्स'** ने हाल ही ग्लोबल टेक्सटाइल मार्केट में नया सेल्स ऑफिस शुरू किया है। कंपनी के **डायरेक्टर श्री भावेश बगड़िया** के अनुसार सेल्स एवं डिस्पेच कार्यों के सम्पादन हेतु इस ऑफिस का शुभारम्भ किया गया है। उन्होंने कहा कि आगामी वेडिंग सीजन के लिए कंपनी तरह-तरह के नये डिजांइस लॉञ्च कर रही है, वहीं नये केटलॉग डिजाइंस का नियमित उत्पादन किया जा रहा है।

बाजार में तेजी का दौर : माल की उपलब्धता कम

बालोतरा/ लालचन्द पुनीत... पोपलीन का तैयार माल बहुत कम है, परंतु रेडी माल के ऑर्डर अच्छी तादाद में आने लगे हैं। अब तक दिसावर की मंडियों के व्यापारियों को आशंका थी कि मंदी आएगी जरूर और वह उस समय ही माल लेंगे। स्थिति ऐसी आ गई कि ग्रे क्लोथ के भावों में मंदी के स्थान पर तेजी की झलक उभरने लगी है। इस परिस्थिति में उत्पादक और व्यापारी दोनों की मानसिकता बदल गई है। इससे सौदे होने का दौर प्रारंभ हो गया है। अभी भी नाईटी के माल की मांग में कोई विशेष इजाफा नहीं हुआ है। भावों की खींचतान नाइटी के संदर्भ में यह है कि सामान्य स्तर की नाईटी में ही यह विद्यमान दृष्टिगोचर हो रही है। स्तरीय गुणवत्ता युक्त नाइटी बनाने वाले उद्यमियों का कहना है कि उनका उत्पादित माल आज भी शान के साथ बिक रहा है। वैसे सर्दी के पांव पसारने से माल सुखाने में दिक्क त आ रही है। इससे माल को तैयार होने में विलंब हो रहा है। इससे चालानी भी प्रभावित है। रकम की आवक में सुधार अवश्य हुआ है फिर भी पुरानी बकाया रकम की आवक कमजोर है। सिंथेटिक माल में तेजी मंदी की हल्की लहरें चलने के पश्चात भी लेवाली का मजमा ज्यों का त्यों बरकरार है। व्यापारी तुरंत माल चाहते हैं परंतु माल की चालानी आंशिक ही हो पा रही है। सिंथेटिक गुड्स में इतनी वैरायटी तैयार हो रही है कि उत्पादक चंद व्यापारियों की डिमांड ही पूरी कर पा रहे हैं। कुछ उत्पादक जो टेक्निकल टैक्सटाइल की ओर बढ़ रहे हैं, उन्हें भविष्य और सुंदर होने की अपेक्षा है। कुछ भी हो वर्तमान का नजरिया यह बताने में सक्षम है कि आगे काम रफ्तार के साथ होगा और पूर्व की विरानी की स्मृति को मुक्त करने का कारण बनेगा। इन दिनों जो ब्रांड धारक उत्पादक गुणवत्ता का माल ही तैयार करते हैं, उनके सामने कुछ चुनौतियां आ गई हैं। वे स्तरहीन माल बनाना नहीं चाहते, चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों। आजकल जो ग्रे क्लॉथ आ रहा है उसमें विस्कोस के कारण उत्पादक परेशान हैं। प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान उक्तीस माल को भेजना नहीं चाहते, क्योंकि ऐसा माल उनके निर्धारित मापदंड के अनुरूप कलर, फिनिश और फील में सही नहीं उतरता। विशिष्ट ऐसे उत्पादकों के पास इस प्रकार के माल थोक में पड़े हैं और उन्हें सल्टाने की युक्ति की सोच में व्यग्र हैं। उद्यमी सही माल चाहते हैं और ऐसा माल पर्याप्त मात्रा में मिल ही नहीं पा रहा है।स्थानीय उत्पादक रंग, फिनिश और फील की अधिकाधिक आकर्षक और आधुनिकता परिपूर्ण करने हेतु विशेष सक्रिय हैं। इस दृष्टि से जिनको जितनी सफलता मिली, उसका भरपूर फायदा उठा रहे हैं। इस प्रक्रिया से व्यापारी उनके कायल हो जाते हैं और सदा बंधे रहते हैं। सरकार ने इस उद्योग को तरजीह दी, तो इस उद्योग का आशातीत विकास हो सकेगा।

सम्पादकीय....

वर्तमान विकास दर को लेकर चिंता

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में विकास दर के आंकड़े उत्साहजनक नहीं कहे जा सकते। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अगली दो तिमाहियों में इसके सुधरने की उम्मीद है और यह सात फीसद वार्षिक विकास दर के लक्ष्य तक आसानी से पहुंच सकती है। रिजर्व बैंक ने भी यही अनुमान जताया था कि चौथी तिमाही में विकास दर में उत्साहजनक नतीजे आएंगे और फिर अर्थव्यवस्था अपनी पुरानी लय में लौटनी शुरू हो जाएगी।

मगर ताजा आंकड़ों में जिस तरह औद्योगिक क्षेत्र का प्रदर्शन निराशाजनक दर्ज हुआ है, उसके मद्देनजर सरकार को अभी बहुत कुछ करने की जरूरत रेखांकित होती है। विनिर्माण और खनन क्षेत्र में भारी गिरावट दर्ज हुई है। इसकी वजह महंगाई बताई जा रही है। विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन दर में 4.3 फीसद की गिरावट आई है, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में इसमें 5.6 फीसद की वृद्धि दर्ज हुई थी।

खनन क्षेत्र में भी उत्पादन दर 2.8 फीसद घटी है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में इसमें 14.5 फीसद की वृद्धि दर्ज हुई थी। इसी प्रकार निर्माण, बिजली, गैस, जल आपूर्ति और अन्य जन-केंद्रित सेवाओं की जीवीए वृद्धि दर में गिरावट दर्ज की गई है। इस अवधि की विकास दर को पेशेवर सेवाओं और भवन निर्माण के क्षेत्र में हुई वृद्धि ने संभाल लिया।

ताजा विकास दर को लेकर चिंता इसलिए जताई जा रही है कि अभी तक महंगाई के मोर्चे पर काबू पाने में कोई कारगर उपाय नजर नहीं आ रहा। बैंकों की ब्याज दरें बढ़ी हुई हैं और रुपए की कीमत भी संभल नहीं रही। विकसित देशों में मंदी का माहौल है। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि जुलाई से सितंबर के दौरान लोगों ने खर्च किया, घरेलू बाजार में मांग बढ़ी और निवेश में भी उत्साह दिखाई दिया।

मगर त्यौहारी मौसम होने की वजह से भी ऐसा हुआ होगा। फिर यह भी कि इस आधार पर समग्र विकास का चित्र खींचना संभव नहीं हो सकता। विकास दर का असर इससे नापा जाता है कि देश में नए रोजगार का सृजन कितना हो पाया और कितने लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल सके। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि जब विनिर्माण, निर्माण और खनन क्षेत्र में उत्पादन की रफ्तार सुस्त पड़ी हुई है, तो उनमें रोजगार सृजन करना मुश्किल काम है। इन्हीं क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार की गुंजाइश रहती है। नए रोजगार सृजित नहीं होंगे, तो गरीबी रेखा से लोगों का बाहर निकलना और फिर बाजार में पैसे का प्रवाह बढ़ना कठिन ही रहेगा।

सेवा के जिन क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज हुई है, उनमें, होटल व्यवसाय, परिवहन, व्यापार प्रमुख हैं। मगर दूसरी तरफ संचार तकनीक के क्षेत्र में उत्साह नहीं देखा जा रहा, जिसकी वजह से कंपनियों को छंटनी जैसे उपाय आजमाने पड़ रहे हैं। इस तरह अभी विकास दर को संतुलित करने की दिशा में चुनौतियां लगातार बनी हुई हैं। निवेश को लेकर बेशक कुछ सकारात्मक नतीजे देखने को मिल रहे हैं, पर बड़ी चुनौती निर्यात बढ़ाने को लेकर है।

जब तक निर्यात नहीं बढ़ेगा, तब तक औद्योगिक क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद धुंधली पड़ी रहेगी। केवल घरेलू बाजार के भरोसे उत्पादन दर में बढ़ोतरी का दावा नहीं किया जा सकता। महंगाई की दर ऊंची होने से घरेलू बाजार में सुस्ती पसरी पड़ी है। ऐसे में वार्षिक वृद्धि दर में आंकड़े बेशक कुछ क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से अनुमानित लक्ष्य तक पहुंच भी जाएं, मगर संतुलित विकास दर का दावा नहीं किया जा सकता।

कुछ नया, कुछ अलग •

जो भी है, बस यही एक पल है

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

**काल करे सो आज कर, आज करे सो अब
पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब।**

कबीर जी के इस दोहे को हमने कितनी बार सुना है, मगर जीवन में उतारने के लिए हम इस दोहे को पूरा समझे ही नहीं हैं। समय का एक एक पल जीवन से भरा होता है। बस हमें उनकी पहचान करनी है और उस जीवन से भरे पल पल का सदुपयोग करना है। समय का हर मिनट हमारे लिए मूल्यवान है और जो इसकी अच्छी देखभाल करते हैं, वह अपने जीवन में सफल होते हैं। बीतता हुआ समय किसी का इंतजार नहीं करता और समय बीत जाने के बाद कभी भी पुनर्प्राप्त नहीं किया जा सकता है। यह सोचना वास्तव में भ्रम है कि हम समय बर्बाद कर रहे हैं। इसके विपरीत, समय हमें बर्बाद कर रहा है। समय सर्व शक्तिशाली है। यह नियति है और कुदरत है कि कुछ भी समय से परे नहीं है।

सब लोग सफलता, खुशी, प्रसिद्धि आदि चाहते हैं, लेकिन कुछ लोग ही यह सब प्राप्त कर पाते हैं, क्योंकि वह अपने समय का सदुपयोग करते हैं। समय का असली महत्व वह जानते हैं, जिन्होनें अपने समय का सदुपयोग नहीं किया, जिसके कारण वह अपने जीवन में बहुत सी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

हम व्यापारी हैं, हम धंधादारी हैं। हमसे ज्यादा समय का मूल्य और कोई कर ही नहीं सकता, ऐसा हम सोचते हैं। वास्तव में हममें से कई ऐसे लोग हैं, जो समय का सही तरीके से उपयोग नहीं करते हैं। हमारा समय सिर्फ हमारे व्यापार के लिए नहीं होता है, हमारा समय समाज का भी है, परिवार का भी है और खुद का स्वयं का भी है। हमें इन सारे समय को अपने तरीके से मेनेज करना होता है। समय चलते व्यापार करना चाहिए, समय मिले तो परिवार और समाज के अच्छे काम में देना चाहिए और हमें संतुष्टि मिले ऐसा काम भी कर लेना चाहिए। मैं अपने युवा मित्रों और परिवार के बच्चों को कहता रहता हूँ कि अगर सफल होना है तो समय के साथ नहीं समय से आगे चलना सीखो। एक एक क्षण का मैनेजमेंट करो और समय का हो सके उतना अपने काम में सदुपयोग करो।

एक बार यदि समय हमारे हाथ से निकल जाता है, तो फिर वह कभी वापस नहीं आ सकता। किसी सुभाषित में लिखा है कि समय पैसे से ज्यादा कीमती है। यह राजाओं और राजकुमारों की तुलना में अधिक शक्तिशाली है। वे आते हैं और चले जाते हैं लेकिन समय हमेशा के लिए है। इसकी न तो कोई शुरुआत है और न ही कोई अंत। हम इसे जन्म, वृद्धि, क्षय और मृत्यु के रूप में पहचानते हैं। इसे मूर्खतापूर्ण चीजों के लिए खर्च नहीं किया जाना चाहिए।

प्रत्येक व्यक्ति को समय का मूल्य पता होना चाहिए और इसलिए उन्हें अपने समय का अधिकतम उपयोग करना चाहिए। ऐसा की कई व्यक्तियों ने किया और आज वह महापुरुषों कि सूचि में शामिल हैं। हम देख सकते हैं कि उन्होंने समय का उपयोग कैसे किया, उन्होंने अपना जीवन कैसे बदला और वही हमें रास्ता दिखाएँगे। जो महत्वपूर्ण है, वह वर्तमान है।

जीवन बहुत छोटा है। यह कहा गया है कि यह समुद्र में एक बूंद की तरह है और यह बूंद बर्बाद नहीं होनी चाहिए। इसे समझदारी और सोच-समझकर इस्तेमाल करके इसे मोती में बदला जा सकता है। समय पर किया गया काम विजय अर्जित करता है। ठंडा होने पर लोहे को तोड़ना बहुत कठिन है, उसको तोड़ने का सही समय तब है, जब यह लाल और गर्म होता है। समय का भी कुछ ऐसा ही है।

हमारे कार्यों को अच्छी तरह से योजनाबद्ध तरीके किया जाना चाहिए, ताकि समय की बचत हो सके। हमारे जीवन में आलस्य और अकर्मण्यता के लिए कोई जगह नहीं है। देरी और निष्क्रियता हमारा समय नष्ट करते हैं और हमारा समय चुरा भी लेते हैं। हमारे आगे जो समय है, उसके ऊपर पर्दा है। हम भविष्य के बारे में कुछ जानते नहीं हैं। इसलिए जीवन के छोटे से छोटा क्षण भी अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण हैं। साहिर साहब ने लिखा है-

**आगे भी जाने न तू
पीछे भी जाने न तू
जो भी है, बस यही एक पल है**

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

HAPPINESS IN TEXTILE INDUSTRIES

**आज मुस्कुराहटें हों न हों, पर मुस्कुराहटों की बात तो करें ।
हालात कैसे भी हों जमाने के, हम मुस्कुराने की सोच तो रखें।।**

श्री अवधेश कुमार शर्मा
प्रेसीडेंट ऑपरेशन्स
श्री कृष्णा स्पिनिंग मिल्स
(इण्डिया) प्रा.लि., बुरहानपुर
94794 48612

गतांक से आगे....

ये भी सच है कि भले ही टेक्सटाइल उद्योग की शुरुआत 'राजशाही' या 'साम्यबाद' की सबसे बड़ी आवश्यकता से हुई थी, किन्तु वास्तव में टेक्सटाइल उद्योग को एक ''समाजबादी उद्योग'' समझा जाता है। समाजबाद के जरिये ही टेक्सटाइल उद्योग का चलना सम्भव था, सम्भव है, सम्भव रहेगा।

इसीलिए वर्तमान परिवेश में टेक्सटाइल उद्योग के कई भाग हो गए, 'कपास का उत्पादन और Ginning Industry आज भी संसार के सबसे धनी देश अमेरिका के पास ही है, किंतु आगे के स्पिनिंग , वीविंग, प्रोसेसिंग किसी भी विकसित देश में नही हैं। पुनः टेक्सटाइल उद्योग का अंतिम भाग "Garment Manufacturing, Branding & Retailing" पुनः विकसित देशों के पास ही है। Spinning, Weaving & Processing तो समाजबाद की परिकल्पना रखनेवाले देश भारत , बांग्लादेश, पाकिस्तान, वियतनाम, इंडोनेशिया आदि देशों में ही है, पर ये बताना अति आवश्यक है कि communism भी समाजबाद की पराकाष्ठा ही होती है, अतः चीन में टेक्सटाइल उद्योग का बहुत बड़ा हो जाना वही एक कारण था या है।

भारत में अब समाजबाद कमजोर हो रहा है, साम्यबाद बढ़ रहा है, जिसके कारण भारत का टेक्सटाइल उद्योग अग्रणी देशों में पीछे होता जा रहा है। ''साम्यवाद'' में टेक्सटाइल उद्योग की बढ़ोत्तरी तो सम्भव है, पर खुशहाली कम होना स्वाभाविक है और आज के भारत के टेक्सटाइल उद्योग में वही हो रहा है। भारत का प्रत्येक नागरिक प्रतिवर्ष अपने कपड़ों का खर्च तो बढ़ा ही लेता है किंतु उसका लाभ भारत के टेक्सटाइल उद्योग को नहीं मिलता है बल्कि विकसित और धनी देशों को मिलता है। जैसे अभी हाल ही में कॉटन के रेट बढ़े, बेतहाशा बढ़े और पूरा लाभ अमेरिका के किसानों और Ginning Industry को मिला, या फिर बांग्लादेश, वियतनाम , इंडोनेशिया आदि को मिला किन्तु चूंकि भारत अविकसित देशों की लिस्ट से विकासशील देशों की लिस्ट में पहले ही आ चुका था और अब विकसित देशों की लिस्ट में घुसने की सोंच रहा है, तो किसी भी लाभ से वंचित रह गया है।

सबसे आवश्यक - सबसे बड़ा कारण एक और है कि हम भारतीय ''अपनी खुशी से कम खुश होते हैं , दूसरों के गम से अधिक खुश होते हैं। दूसरों के भले के साथ साथ अपना भला कैसे हो, इसका प्रयास कम करते हैं बल्कि दूसरों के नुकसान के बाद अपना भला भले ही कम हो ऐसे प्रयास करते रहते हैं।

चूंकि सभी ऐसे प्रयास करते हैं तो खुशहाली का दूर होना स्वाभाविक ही होता है। आज से कुछ वर्ष (लगभग 30 वर्ष) पहले भारत का टेक्सटाइल उद्योग एक खुशहाली से भरा उद्योग होता था, जो आज खुशहाली से दूर होता जा रहा है।

टेक्सटाइल उद्योग के "Cost of Product" के 4 बड़े हिस्से होते है -

1. Raw Material (cotton).
2. Salary & Wages.
3. Electric Power.
4. Financial Expences.

इनमें "Salary & Wages" का सीधा सम्बन्ध Happiness से होता है किंतु पिछले 30 वर्षों में लगातार इसी को कम करने के जी तोड़ प्रयास किये गए , कुछ तो अच्छे थे किंतु कुछ अनावश्यक भी।

नतीजा भी वही हुआ कि ये Prcentage तो कम हो गई किन्तु इसे कम करने के चक्कर में बाकी तीनों इतनी बढ़ गई कि टेक्सटाइल उद्योग का अस्तित्व ही खतरे में दिखने लगा है।

अब Technical Conference की नहीं " Confrence for Happiness in Textile Industry" की सबसे अधिक आवश्यकता महसूस की जा रही है, और तभी जाकर भारत का टेक्सटाइल उद्योग खुश नजर आएगा।

Yarn Rate+GST

यार्न रेट्स 05 दिसम्बर, 2022

C.T.M.

PH. 247511, 247512, 94141-12130

2/30 NTBL	274
2/18 Dyed	235
2/40 Dyed	324
2/30 Frosted	272
2/30 Dyed Slub	-----
2/30 Polyster	-----
2/30 School Dress Clourer	274

R.T.M

PH. 24766, 93140-32404

2/30 Dyed Ntbl	260
2/40 Dyed	310
2/30 Frosted	260

Birla Tex Mills

2/18 Dyed	236

SRM Spinners

Mob. 8078660873

2/18 PV Diamond	192
2/18 PV Navy 85:15	216
2/18 PV Black 70:30	203
2/18 R Navy 70:30	230
1/15 Poly Black	139
20 PV Black	184
15 PV Black	180
2/18 S Navy 85:15	216

NKCM GROUP

Mob: 093611-98787

Quality	RATE
30's VSf	200
40's VSf	230
2/40' s VSf	265
30 SLUB	215
30' Compact	210
40 Compact	240
20 Compact	215
16 neps	260
20 neps	270
30 neps	295
15 slub	210

SUCHITA MARKETING PVT. LTD.

PH. 93525-36380, 94141-44161

2/30 Poly Grey	154 + GST
30 Poly Grey	140 + GST
2/30 Black	160 + GST
320 Text DMS	106 + GST

VISAKA IND. LTD.

PH. 93514-27900, 96604-14405

2/30 100% Polyester Gray	.....
2/30 65/35 Black	.....
2/30 65/35 Gray	.....
2/40 65/35 Black	.....
2/30 PV 65/35 Havy Dark Dyed	.....

GRASIM INDUSTRIES LTD.

PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	260
2/40 Dyed	300
2/50 Dyed	355

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.

PH. 99358-27000

MAHABIR

2/30 P/V	200
2/40 P/V	----
1/20 P/V	178
1/15 P/V	163

Janvi

1/15 Psy	131

TRIVENI

2/40 PV	241
2/30 Psy	-----

Inclusive of 12 % GST

NEETA YARNS

Ph. 022-28335766, 093246-70428
(M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg

30/62 Alpine	215
2/60 PVT	305
2/60 Polyster	225
2/80 PC Combed	580
2/76 Polyster	290
2/60 P.V.	305

Kishangarh Yarn Bazar

PH. 98297-21313

JAGDISHKOTHIWAL CON YARN (Per 5 K.G.)

16 Arihant Viscous	580
20 Patiyala ND	598
20 Patiyala Silver	920
20^{s} Puja viscous	600
16^{s} cottspin	535
20^{s} Shri Mahadav	945
23 JS Viscous	640
20 VISCOUS	598
16 Tile	535
20 OM Thread	585
20 JS	585
23 JS	640
10 ARI	103+GST

GST Paid

PANIPAT YARN

Mob: 9416031498

TEXTURISE

150 Roto Grey	101-123
150 Roto Black	104-135
150 Roto Bright	108-126
150/250 Grey	114-138
150/250 Dyed	137-151
150 Fdy	106

P.V. Yarn

2/20 Grey CL	137
2/40 POLY	191
2/15 Poly Grey	128
2/20 Poly CL	-----
20 Poly CL	128

Cotton Yarn

4 CONE	58-87
6 CONE	66-119
10 CONE	79-152
2/4 CONE	72-117
2/6 CONE	77-141
2/8 CONE	82-142
2/10 CONE	92-198
2/20 CONE	192-232
2/30 CONE	271-343
2/40 CONE	342-410

STAPLE YARN

10 CONE	200
15 CONE	210
20 CONE	218
2/15 CONE	215
2/40 CONE	275

Raghav Group

M. 94141-11402
Email: sheetal@raghavindia.com

Raghav Agency Trident Ltd.

1/10 OE	195
1/14 OE	205
1/16 OE	210
1/20 OE	235
30 KW	290
30 CW	310
2/40 CW ELLY	310
30 CW COMPACT	---
40 CW COMPACT	370
60 CW COMPACT	---
50 CW COMPACT	415

Ankur Udyoug

1/30 Polyester 100%	140+GST
1/20 Polyester 100%	130+GST
1/15 Polyester 100%	125+GST

Sidhartha Super Spinning Mills

2/15 P/V Dyed OG	235+GST
2/18 P/V Black	190+GST
2/30 P/V Black	260+GST

LNJ DENIM

6 OE	190
7 OE	192
8 OE	---
9 OE	---
10 OE	198
10 Lycra	279
16 Lycra	---
10 Slub Lycra	315
16 Slub Lycra	-----

SRM SPINNERS LIMITED

2/30 P/V Black	230+GST
2/18 P/V Black	210+GST

HIND SYNTEX LTD.

PH. 247916, 94141-15916

2/15 Gray Blanded	165+GST
2/30 PV	180+GST
15S PV	150+GST
2/24 PV	175+GST
2/30 Polyester TFO	155+GST
2/20 Polyester TFO	140+GST

MODTEX TEXTURISERS

PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	191+GST
150 HIM Cone Dyed	180+GST
300 HIM Cone Dyed	179+GST
450 ATY fancy Cone	180+GST
300 Black B. Cone Dyed	.....
240 Lighting 100% Cone Dyed	.....

टेक्सटाइल वर्ल्ड समाचार पत्र प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें।

PHONE 01482-237165, MOBILE 9468835188
417, 4th FLOOR, COMMERCIAL MALL, GOVINDAM, OLD RTO ROAD,
BHILWARA-311001, (RAJ.) E-mail: textileworldtw@gmail.com

झाँसी थोक वस्त्र व्यापार मंडल, झाँसी (उ.प्र.)

ऑफिस - 32, खत्रायाना, झाँसी उ.प्र.

अध्यक्ष
अशोक सिंघल

कोषाध्यक्ष
राजेश हेमलानी

महामंत्री
सुधीर सेठ

संरक्षक
रामप्रकाश नाछोला
ओमप्रकाश सेठ धीरेन्द्र यादव
ओमप्रकाश मर
राजेन्द्र पहारिया
राजेन्द्र पटवारी 'राजू'
रामप्रकाश पटवारी

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
रवीन्द्र सिंघई
महेन्द्र मर
संजय सेठ
अनिल पटवारी
प्रदीप अग्रवाल

उपाध्यक्ष
सुशील अग्रवाल
वीरेन्द्र जैन
महेन्द्र अग्रवाल
अमरनाथ दुबे

वरिष्ठ मंत्री
रामकुमार बरसैया
ताहिर खान, सौरभ जैन
आशीष अग्रवाल

मंत्री
लवलेश अग्रवाल
विजय सेठ 'डल्लू'
ताहिर अंसारी

सह कोषाध्यक्ष
पंकज अग्रवाल 'भोलेनाथ'

आय व्यय निरीक्षक
सुरेन्द्र पटवारी

संगठन मंत्री
ओमप्रकाश ख्यानी
परमानन्द अग्रवाल
विजय जैन 'सोनू'
राजीव गुप्ता

संसदीय कार्यमंत्री
संजय हयारण

कार्यक्रम संयोजक
पंकज अग्रवाल 'शीतला'
अलंकार जैन
आलोक मिश्रा
पवन साहू

शादी के चलते व्यापारियों की ओर से कपड़े की मांग बढ़ेगी

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े... हमेशा अस्थिरता में फसे पॉवरलूम उद्योग के अच्छे दिन आ रहे हैं। धीरे धीरे कपड़े को मांग आ रही है तथा अगले 15 दिनों के बाद मांग और बढ़ने की संभावना है। इस साल शादी के मुहूर्त बड़े पैमाने पर हैं। साथ ही में निर्बंधमुक्त शादी बड़े धूमधाम से मनाई जाएगी, जिसके चलते कपड़े को मांग बढ़ने वाली है, ऐसे में अगले चार-पाँच माह वस्त्रोद्योग में तेजी का माहौल रहेगा। कुछ सालों से वस्त्रोद्योग समस्याओं का सामना कर रहा है। सूत दर में चढ़-उतार के चलते पॉवरलूम उद्योग में बड़ी अस्थिरता पैदा हो रही है। कपास को कमोडिटी मार्केट में शामिल किया गया। वस्त्रोद्योग उत्पादक घटकों से ज्यादा व्यापारियों के हाथ में है, साथ में कोरोना के समय कपड़े की मांग भी कम हुई। उत्पादन बढ़ने के चलते दर में गिरावट आ गई, जिसके चलते कई पॉवरलूम उद्यमियों ने कपड़ा उत्पादन बंद रखा। पिछले चार माह से कपड़ा मार्केट ठंडा है लेकिन अब फिर से कपड़े को मांग आएगी, ऐसी आशा बढ़ गई है। अब भी आठ दिन मंदी और आठ दिन तेजी के बीच यह व्यवसाय चल रहा है। इसको स्थिरता नही है, लेकिन आगे का समय पॉवरलूम के लिए अच्छा होगा, ऐसा तज्ञों का कहना है।

राज्य शासन की ओर से अपेक्षा बढ़ी...वस्त्रोद्योग को नवसंजीवनी देने के लिए राज्य सरकार की ओर से नई नीति बनाई जा रही है। उसके लिए सर्व श्री विधायक प्रकाश आवाड़े, पूर्व विधायक सुरेश हालवणकर और वस्त्रोद्योग महासंघ के अध्यक्ष अशोक स्वामी का फिर से चयन हुआ है। तीनों वस्त्रोद्योग के जानकार हैं। ऐसे में नई नीति तय करते समय इन तीनों का लाभ वस्त्रोद्योग को होगा। पॉवरलूम उद्योग का आधुनिकीकरण करते समय सीधे पॉवरलूम भी रहने चाहिए, ऐसी नीति होनी चाहिए। ऐसे में इस उद्योग की राज्य शासन की ओर से आशाएं बढ़ी है।

श्रद्धांजलि

।।ॐ शांति ॐ।।

स्व. श्री रामनारायण ठाड़ा

(स्वर्गवासः 27-11-2022)

प्रतिष्ठान

सांई टेक्सटाइल, भीलवाड़ा, मो. 9928189155

श्रद्धावनत

योगेन्द्र शर्मा (संपादक)
एवं समस्त टेक्सटाइल वर्ल्ड परिवार, (भीलवाड़ा)

पृष्ठ 1 का शेषांश

2025-26 में देश का टेक्सटाइल-गारमेण्ट बाजार..

एफटीए से मिलेगा लाभ- उद्योग और निर्यात से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पिछले दिनों यूएई और कुछ अन्य देशों के साथ भारत सरकार द्वारा किए गए मुक्त व्यापार समझौतों यानि एफटीए का लाभ भी देश के टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योग को मिलेगा और देश से इस सेक्टर के निर्यात में भारी वृद्धि की संभावना है। इसके अतिरिक्त कुछ अन्य देशों के साथ भी भारत सरकार एफटीए पर हस्ताक्षर करने की बात कर रही है। इससे भी देश के गारमेंट निर्यातकों को निर्यात बढ़ाने में सहायता मिलेगी। सूत्रों का कहना है कि पिछले दिनों भारत सरकार द्वारा टेक्सटाइल और गारमेंट का उत्पादन और निर्यात बढ़ाने के लिए जो योजनाएं बनाई गई हैं, उद्योग और निर्यात वर्ग इसका लाभ उठाते हुए उत्पादन बढ़ाने के साथ ही निर्यात के लिए नए बाजार तलाश रहा है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने पीएलआई स्कीम के अतिरिक्त टेक्सटाइल पार्क, निर्यात के लिए टेक्स आदि में राहत आदि अनेक योजनाएं देश के टेक्सटाइल और गारमेंट के निर्यात को बढ़ाने के लिए लागू की हैं।

निर्यात में आई भारी गिरावट

इसी बीच, वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अक्टूबर में टेक्सटाइल और गारमेंट निर्यात में कुल मिलाकर 34 प्रतिशत की कमी आई है। जहां टेक्सटाइल के निर्यात में अक्टूबर के दौरान गत वर्ष की तुलना में 41 प्रतिशत की गिरावट आई है, वहीं गारमेंट निर्यात 21 प्रतिशत घटा है। कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष के पहले 7 महिनों यानि अप्रैल-अक्टूबर के दौरान टेक्सटाइल के निर्यात में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन इसी अवधि में गारमेंट निर्यात में 6 प्रतिशत का सुधार हुआ है। आलोच्य अवधि में टेक्सटाइल और गारमेंट के कुल निर्यात में 10 प्रतिशत की कमी आई है। जानकारों कहना है कि भारत ही नहीं अपितु अन्य देशों से भी टेक्सटाइल और गारमेंट निर्यात में कमी आई है, क्योंकि बढ़ती मंहगाई के कारण विश्व के अनेक देशों में अपेरल की मांग प्रभावित हुई है। उल्लेखनीय है कि अनेक देशों में मंहगाई की दर कई वर्ष के रिकॉर्ड पर पहुंच गई, जिससे वहां के नागरिकों की क्रय शक्ति प्रभावित हुई है। बहरहाल यह सब अस्थाई है, दीर्घावधि में निर्यात मांग में सुधार होगा।

7 से 21 दिसम्बर, 2022

SINCE 1998

टेक्सटाइल वर्ल्ड

Corporate

MUMBAI TEXTILE MERCHANTS' MAHAJAN

(Estd. 1881)

Visit Mumbai's Biggest B2B "MTMM Fabric Fair - 2023"
& explore top fabric brands in more than 200 Stalls

MTMM'S

Fabric Fair 2 (B2B)

Legacy Re-Discovered

9th - 10th JAN 2023

Stalls in AC German Hanger (Dome) at

Hotel JW Marriott Lawn

Sahar Airport (T2), Andheri (East),
Mumbai 400 099.

For Queries contact:

Anand: +91 98210 24220 | **Nirav:** +91 98197 44165 | **Manish:** +91 83904 24181

Email: mtmmtradefair@gmail.com | Website: www.mtmm.co.in

Media Partners

Media Consultant

Event Partner

टेक्सटाइल वर्ल्ड
वस्त्र उद्योग जगत का सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र

Presents

20 TUE | 21 WED DECEMBER 2022

DELHI

Uni World 2.0 FABRIC &GARMENT TEXPO

A Unique Destination for
ALL UNIFORM SOLUTIONS

To visit the Trade Fair, kindly scan this
QR code or go to our website
www.textileworld.org & register yourself.

PRE-REGISTRATION

EXHIBITORS PROFILE

UNIFORM FABRIC
GARMENT | SAREES | SUITS
& ACCESSORIES

EXHIBITORS

Mafatlal · Sparsh-Fab · Qmax World · Darshan Valji Uniforms · S.Kumars The Fabric of India Since 1948 · Mocky Tocky School & Work Wear Uniforms · Mayur Stars Ki Pasand · Modella Since 1965

Gangotri Textiles Mills · Arrmeelon Uniform Shirtings · Subbhtex · BSL · MukutMani Uniform For All · Jagdamba Jagdamba Textiles Pvt. Ltd. · Bansi Fashion Pvt. Ltd. · Satish Silk Mills

Amartex Brand Trusted by Millions · Satkar Suitings · Shirtings · Goodwill Suitings & Shirtings · Raghav Premium Suiting · SRS Suitings · Gitline Suitings & Shirtings · Anirudh TexChem Pvt. Ltd. · Bajaj Suiz · Loyal Textile Mills Ltd.

Rodas Suitings & Garments · HS Hem and Stitch · Sketcher's Uniform · Puja Suitings · Reliable Uniforms Redefined · MD Creation · UniPlus The Uniform Co. · Ankit Suitings · Hosiery Works · Dxh Design X-Knitwears

For More Inquiry

80056-60394 | 80035-96092
8003596091 | 8003596097 | 8003596090

ORGANIZER
SSS Media Publications Pvt. Ltd.

Registration Partner
Sparsh-Fab Fabrics

D.H.M.A. ESTD. 1893
In Association With

Venue

#1, CBD, Maharaja Surajmal Marg, Near Yamuna Sports Complex, Vishwas Nagar Extension Shahdara, DELHI -32

भीलवाड़ा हब मीट (कनेक्ट) 16 नवम्बर को इम्पीरियल प्राइम होटल में सम्पन्न

स्पन डाइड फाइबर पर विशेष फोकस

भीलवाड़ा/ बिरला सेल्यूलोस द्वारा हाल ही में 16 दिसंबर 2022 को स्थानीय वस्त्र मंडी के इम्पीरियल प्राइम प्लाजा होटल में भव्य कनेक्ट सेमीनार आयोजित की। इस सेमीनार का मूल उद्देश्य लीवा द्वारा स्पन डाइड फाइबर पर विशेष फोकस करना था। इसमें यहां के सभी प्रतिष्ठित उद्यमियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस सेमीनार में स्पन डाइड यार्न को यूनिफॉर्म फैब्रिक के साथ किस प्रकार उपयोग में लिया जाए, इसे किस प्रकार आगे बढ़ाया जाए, इसी बात पर फोकस करते हुए बिरला सेल्यूलोस की मैनेजमेंट टीम ने अपनी राय रखते हुऐ श्री अंकुर थोराड ने फैब्रिक अवेरनेश एवं डाइड यार्न की ग्रोथ एवं कैसे उनकी टीम ने स्पन सेड यार्न की ग्रोथ के लिए कार्य किया उसकी विस्तृत जानकारी बताई, साथ ही इस दौरान मुंबई के प्रतिष्ठित उद्यमी श्री किशोर कोठारी (डायरेक्टर रणजीत सिल्क मिल्स) ने बताया कि यूनिफॉर्म फैब्रिक के लिए यह स्पन डाइड यॉर्न काफी उपयोगी साबित हो रहा है। उन्होंने स्वयं द्वारा उत्पादित यूनिफॉर्म में इस यार्न का उपयोग करते हुए सभी उद्यमियों को इसकी खूबियों से अवगत कराया।

इस दौरान बिरला सेल्यूलोस की टीम की तरफ से श्री मनमोहन सिंह (सीनियर प्रेसिडेंट, ग्लोबल बिजनेस डेवलपमेंट, आदित्य बिरला ग्रुप) श्री सूरज बेरवानी, श्री रजनीत सबनिवेश, श्री अंकुर थोराड़ (कैटेगरी हैड - बिरला सेल्यूलोस) एवं बिरला सेल्यूलोस के भीलवाड़ा से रवि चेचाणी एवं टीम ने इस सेमीनार को सफल बनाया।

डाइड यार्न मिलों ने किया अपने उत्पादों का प्रदर्शन

इस सेमीनार के दौरान स्थानीय वस्त्र की डाइड यार्न मिलें बाबा स्पिनर्स, सतलज, आरएसडब्ल्यूएम, बांसवाड़ा स्पिनिंग, कंचन इण्डिया लिमिटेड ने अपने उत्पादों का भव्य प्रदर्शन किया।

भीलवाड़ा के प्रतिष्ठित उद्यमियों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

इस सेमीनार को सफल बनाने के लिए भीलवाड़ा के प्रतिष्ठित स्पिनर्स, विवर्स, डिजाइनर एवं प्रोसेर्स से लगभग 250 उद्यमियों ने भाग लिया जिसमें संगम ग्रुप से श्री एस एन मोदानी, श्री सोडानी जी, कंचन ग्रुप से श्री जयेश बांगड़, बाबा स्पिनर्स से श्री दीपक अग्रवाल, बांसवाड़ा सिन्टेक्स से श्री रवि तापड़िया, आरएसडब्ल्यूएम से श्री प्रकाश माहेश्वरी, नितिन स्पिनर्स से श्री अनिल जैन, प्रतिष्ठित यार्न व्यापारी श्री जुगल किशोर बागड़ोदिया, सुविधि रेयॉन से श्री राजेश बालर, मुरारका सूटिंग से श्री संजय मुरारका, साईलिला से श्री नवीन जी, शुभलक्ष्मी सिन्टेक्स से श्री गौरव पानगड़िया, बालर सूटिंग से श्री विपुल बालर एवं श्री गिरीश बालर, स्पनवेल से श्री रिशी जी एवं अन्य प्रतिष्ठित उद्यमियों ने भाग लेकर इस सेमीनार को सफल बनाया।

रमजान एवं विशेष तैयारियों में जुटा

रियल सिल्क इण्डस्ट्रीज

मुम्बई/ फैन्सी शर्टिंग में निरन्तर आगे बढ़ता ब्राण्ड 'रियलिटी' दीपावली के बाद अब रमजान एवं विण्टर कलेक्शन की तैयारियों में जुट चुका है। 'रियलिटी' ब्राण्ड की उत्पादक कम्पनी रियल सिल्क इण्डस्ट्रीज अपनी आक्रामक रणनीति की बदौलत भारत की तमाम मण्डियों में छा चुका है। कम्पनी के युवा डायरेक्टर श्री विराट जैन एवं चिंतन जैन ने बताया कि दीपावली की अच्छी डिस्पेच के बाद कम्पनी की सम्पूर्ण मेनेजमेण्ट एवं मार्केटिंग टीम उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है। कम्पनी निरन्तर नए-नए डवलपमेण्ट करते हुए सम्पूर्ण भारत की मण्डियो में अपने उत्पादों को पहुंचा रही है। श्री जैन ने बताया कम्पनी द्वारा इस वर्ष काफी नयी वैरायटियां डेवलप की गई है, जिसमें 36'' एवं 58'' शर्टिंग फैब्रिक में मैजिक, चैक्स, खाकी, सिल्क एवं 58'' शर्टिंग में व्हाइट एण्ड व्हाइट तथा कॉटन की रेंज में अलग-अलग कलर चार्ट तैयार कर बाहरी मण्डियों में भेजे जा रहे हैं। कम्पनी के पास व्हाइट एण्ड व्हाइट में डोबीज, प्लेन, वेफ्ट, पेटर्न, स्लब की क्वालिटियों में बहुत अच्छी डिमाण्ड बनी हुई है। इस सभी क्वालिटियों के सेम्पल चार्ट अलग-अलग कलर रेंज तैयार कर व्यापारियों को भेजे जा रहे हैं।

जैकार्ड एवं कॉटन के कलर चार्ट में विशेष डिमाण्ड

रमजान के लिए विशेष रेंज तैयार

श्री विराट जैन ने बताया कि कम्पनी द्वारा अपनी रेगूलर क्वालिटी के साथ-साथ आगामी रमजान के लिए विशेष रेंज तैयार की है, जिसमें 58'' कॉटन शर्टिंग में विशेष रेंज, जेकॉर्ड में विशेष रेंज व व्हाइट की रेंज पर इस बार ज्यादा फोकस किया गया है, जिसमें विभिन्न कलर्स के जो सेम्पल चार्ट तैयार कर भेजे जा रहे हैं एवं व्यापारियों से बुकिंग भी मिल रही है।

जेडब्ल्यू मैरियट में होगा भव्य डिस्प्ले

श्री चिंतन जैन ने बताया कि हम आगामी सीजन को लेकर काफी उत्साहित हैं। वैवाहिक सीजन की भरमार होने के साथ-साथ अब व्यापार में निरन्तर गति बढ़ती जा रही है। इस वर्ष कम्पनी द्वारा जो नया डवलपमेण्ट किया गया है, उसे कम्पनी आगामी 9 व 10 जनवरी 2023 को मुम्बई टेक्सटाइल मर्चेंट महाजन एसोसिएशन के फैब्रिक फेयर में प्रदर्शित करेगी, जिसे देखकर व्यापारी मंत्रमुग्ध हो जाएगा।

भूल ना जाना ०१४

RISHAB WORLD

रामेश्वरी बृज लाल नेहरू

(१८८६-१९६६)

नेहरू परिवार की गृहणी रहते हुए उन्होने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज की गरीब महिलाओं के उत्थान को समर्पित कर दिया।

श्रीमति रामेश्वरी का जन्म रायना परिवार में हुआ था, जिनका विवाह ब्रिटिश सम्राज्य के सिविल सर्वेंट श्री बृज लाल के साथ हुआ, जो मोतीलाल नेहरू के भतीजे थे।

हालांकि उन्हें विधिवत स्कूल शिक्षा प्राप्त नहीं हुई, किन्तु अपनी दृढ़ भावनाओं से स्व शिक्षा के कारण उन्हें बेहतरीन स्कॉलरशिप मिली। गांधी जी ने अपने पत्र में इन्हें " संभ्रात महिला " (Learned Lady) के रूप में सम्बोधित किया।

उन्होंने नारी उत्थान के लिए स्त्री दर्पण नामक पत्र का प्रकाशन सन् १९०९ में आरम्भ किया, जो सन् १९२४ तक निरन्तर जारी रहा।

सन् १९२७ में जवाहर लाल नेहरू ने 'आल इण्डिया वुमेन्स कॉन्फ्रेंस' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य महिलाओं में शिक्षा का प्रसार करना था। वे सन् १९४२ तक इस कॉन्फ्रेंस की अध्यक्ष भी रही।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद उन्होंने 'वर्ल्ड वूमन्स कांग्रेस' कॉन्फ्रेंस द्वारा कोपेनहन में आयोजित समारोह में प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व किया व कारियों में आयोजित अफ्रो एशियन वुमेन्स कान्फ्रेंस में भाग लिया।

उनके बेहतर सामाजिक कार्यों के कारण भारत सरकार की और से नेहरू ने उन्हे, 'पद्म भूषण' की उपाधि से १९५५ में सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त उन्होने लेकिन पीस प्राइज भी सन् १९६१ में जीता।

मधुर स्मृति में

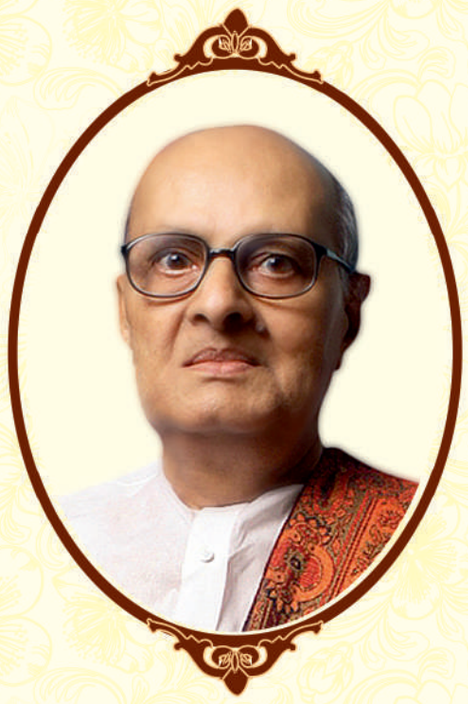

कर्मयोगी
श्री विश्वनाथ जी अग्रवाल
संस्थापक - डोनियर ग्रुप ऑफ कंपनीज
(July 10, 1938 - Nov 28, 2018)

नमन उस कर्मयोगी को, जिन्होंने हमारे भविष्य की नींव रखी,
आज और आने वाले कल को बुलंद किया,
और उसे सुनहरा बनाने की राह दिखायी।

अग्रवाल (जाजोदिया) परिवार
DONEAR | OCM | GRADO | MAYUR FAMILY

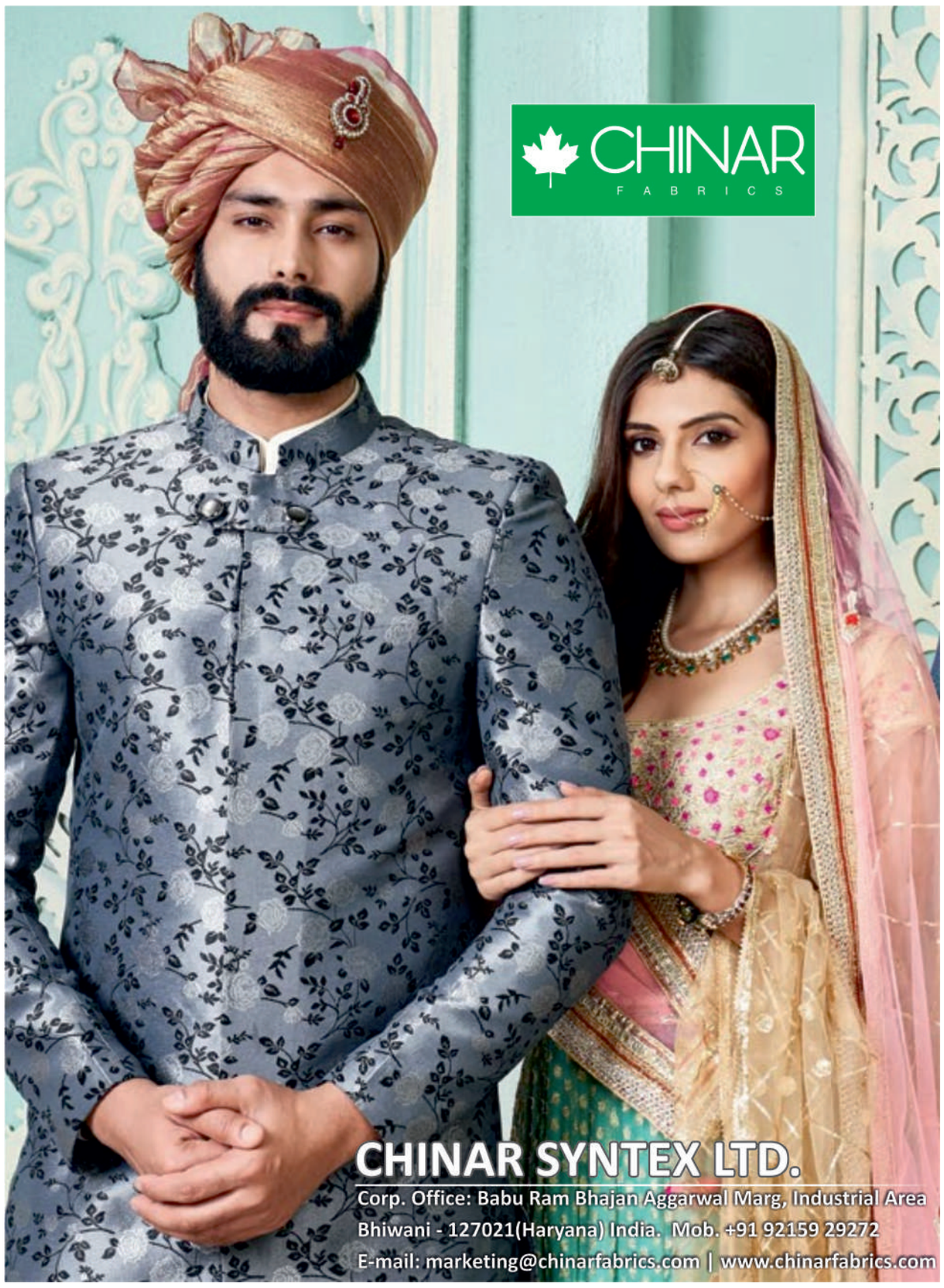

फैशन ब्रांड अपने ब्राण्डों का विविधीकरण करने के लिए लाइफस्टाइल लेबल्स के साथ कर रहे हैं भागीदारी

गारमेण्ट में व्यापक विस्तार की संभावना

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

गारमेण्ट में थोड़ा बहुत कामकाज हो रहा है। लेडीज एवं चिल्ड्रेन वीयर की फैंसी वेराइटी में बिक्री अच्छी है, लेकिन होजरी वेराइटी में कारोबार धीमा है। दिसम्बर में पहले पखवाड़े तक लग्न मुहूर्त होने से फैंसी गारमेण्ट की मांग है। तदुपरांत एक महिने तक अधिक मास होने से गारमेण्ट सहित कपड़ों में कारोबार धीमा हो सकता है। गारमेण्ट के बड़े फैशन ब्रांड्स ने अपने ब्राण्डों का विविधीकरण कर अपनी पोजीशन मजबूत करना शुरू कर दिया है।इसमें कैजुअलवीयर और वेस्टर्न वियर से लेकर किड्सवीयर तक ऐपरल सेग्मेंट के व्यापक विस्तार के लिए ऐसे ब्रांड लाइफस्टाइल लेबल्स के साथ सहयोग एवं भागीदारी कर रहे हैं। बड़े ब्रांडों का ध्यान स्थानीय ग्राहकी के साथ निर्यात अवसरों को दोहन करने का है।

नये फैशन पर फोकस करने वाले गारमेंट उत्पादकों का ध्यान हाल प्रीमियम एवं डिजाइनर एथेनिक वीयर पर है। टॉपअप डिमांड से ऐपरल में रिटेल कारोबार अधिक है। बढ़ती महंगाई से ग्राहकी पर थोड़ा असर पड़ा है। एक रिपोर्ट के अनुसार बालकों के आंतरिक वस्त्रों की श्रेणी का भारतीय बाजार 2000 करोड़ रू है तथा इसमें 9 से 10 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने की धारणा है। इस सेग्मेंट में अभी तक अधिकतर असंगठित क्षेत्र के खिलाड़ियों का वर्चस्व है और ब्राण्डेड सेग्मेण्ट अभी तक प्रारंभिक चरण में है, इसलिए इस क्षेत्र में संगठित क्षेत्र के खिलाड़ियों को मजबूती से पैर पसारने का मौका है। होजरी ब्राण्ड एवं इनरवीयर उत्पादक लक्स इंडस्ट्रीज ने बालकों के लिए इनरवेर की श्रेणी में विस्तार किया है।

महंगे कच्चे माल के कारण टेक्सटाइल क्षेत्र को चुनौतियों का सामना करना होगा। उद्योग की मार्जिन पर दबाव बना रहने का अनुमान है। बावजूद अभी तक देश में गारमेण्ट की ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों बिक्री बढ़ने की रिपोर्ट है। अधिकतर रिटेल दुकानों में नई विकसित गामरेण्ट वेराइटी का भरपूर स्टॉक किया गया है। गारमेण्ट इकाईयों में उत्पादन सहज एवं स्थिर है। रेडीमेड गार्मेंट तथा ड्रेस मटीरियल के निर्यात के लिए प्रोत्साहन दर में भी वृद्धि की गई है। इसके साथ ही अनेक देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार करार किए जा रहे हैं, ताकि देश से निर्यात बढ़े। अमेरिका एवं यूरोप में 20 दिसम्बर से 10 जनवरी तक क्रिसमस वेकेशन है। गार्मेंट इकाईयों के पास दिसम्बर तक का आर्डर है।

रेडीमेड गारमेण्ट का उत्पादन बढ़ रहा है। गारमेण्ट का देश के बाजारों में कारोबार बढ़ाने के साथ विश्व में निर्यात बढ़ाने का अवसर होने से उत्पादक ऐसे सेग्मेंट के उत्पादन पर अधिक ध्यान देने लगे हैं। गारमेण्ट का कारोबार बढ़ाने के लिए ई-कामर्स प्लेटफार्म का उपयोग किया जा रहा है। गारमेण्ट के उत्पादन में लगी कंपनियां ब्रांडेड एवं गैर ब्रांडेड निरंतर मार्केटिंग कर रही है। नये फैशनेबल और समयाचीन उत्पादों के विकास पर जोर दे रही है, इससे उनके कारोबार में वृद्धि नजर आ रही है। कुछ ऐसे स्टार्टअप आ गए हैं, जिनकी मदद से ऑनलाइन कारोबार करने में सुविधा हो रही है। देश में बेहतरीन गुणवत्ता के कपड़ों की उपलब्धता के साथ मार्केटिंग व्यूहनीति से गार्मेंट में कारोबार बढ़ा है।

रूई, कॉटन यार्न तथा सूती कपड़ों के भाव घटे, परंतु कपड़ों में कारोबार नहीं बढ़ा

सूटिंग एवं शर्टिंग में चुनिंदा वैरायटी की मांग डिजिटल प्रिंट का चलन बढ़ा

मुंबई/ रमाशंकर पांडेय

थोक कपड़ा बाजार में मंदी है। कपड़ों में कारोबार कम है, जबकि सीजन अच्छे कारोबार का है। विंटर की मांग घटनी शुरू हो गई है। थोड़ी बहुत ग्राहकी 15 दिसम्बर तक रहने का अनुमान है, उसके बाद इस सीजन की ग्राहकी थोक में समाप्त हो जानी है। फिर समर के लिए सूती कैम्ब्रिक, मलमल, लोन इत्यादि की पूछताछ शुरू हो जाएगी। पुरानी उधारी समय पर नहीं आने से आर्थिक संकट बढ़ा है। रूई, कॉटन यार्न तथा सूती कपड़ों के भाव घट रहे हैं, तथापि घटे भाव पर कपड़ों में कारोबार नहीं हो रहा है। दिसम्बर के पहले पखवाड़े तक शादियों का मूहूर्त होने से रिटेल में कारोबार है, तदुपरांत खरमास शुरू होने से 14 जनवरी तक मांगलिक कार्य बंद हो जाएंगे।

कपड़ों में कारोबार की कमजोर पोजीशन न केवल बड़े शहरी बाजारों में है, बल्कि देसावरों की बाजारों में भी इसी तरह का रुख रहा है। देश की अनेक मंडियों में फिलहाल कामकाज कमजोर है। कपड़ों में बिक्री नदारद है, तो निर्यात में कारोबार कम हो गया है। आगे एक महिने तक लग्न की ग्राहकी नहीं रहने से बाजार के और ठंडा होने के अनुमान से कारोबार में जरूरत से अधिक सतर्कता बरती जा रही है। ठंडी के कपड़ों में मौसम की बेरूखी से कारोबार कम हो गया है, तथापि साटीन और क्रेप बेस कपड़ों की थोड़ी बहुत मांग रही है। सूटिंग और शर्टिंग में चुनिंदा वेराइटी की ही मांग है। साड़ियों में अभी तक चल रहा कारोबार धीमा पड़ने लगा है। डिजिटल प्रिंट का चलन बढ़ रहा है।

शर्टिंग एवं लेडीज वेराइटी में ग्राहकी अभी तक अच्छी चल रही है और कुछ न कुछ धंधा होता ही रहता है वहीं डेनिम, सूटिंग की मांग कमजोर बताई जा रही हैं। मांग में सुधार नहीं होने पर आगामी दिनों में डेनिम एवं कॉटन ट्राउजर्स कपड़ों के उत्पादकों की कठिनाईयां बढ़ सकती हैं, क्योंकि लोगों का रुझान सिंथेटिक सूटिंग की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है, जो पहले डेनिम एवं कॉटन ट्राउजर्स की ओर था। बढ़ती महंगाई का असर अब सीधे देश की अर्थव्यस्था पर पड़ता दिखाई दे रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि जितनी तेजी से महंगाई बढ़ी है, लोगों की आमदनी वैसी नहीं बढ़ी है। इससे लोगों ने खरीदी कम कर दी है। यही कारण है कि मार्केट में डिमांड एवं खपत दोनों कम है।

बाजार सूत्रों का कहना है कि पूरे काटन वैल्यू चैन के लिए पिछला वर्ष भारी अस्थिरता का रहा और कपड़ा उद्योग की स्पर्धात्मकता पर इसका बुरा प्रभाव पड़ा था, इसलिए कपड़ों में कारोबार पटरी पर लौटने में समय लगा, लेकिन अब रुई तथा कॉटन यार्न के भाव में लगातार गिरावट आ रही है। नये गरमी के सीजन में कपड़ों के भाव उचित स्तर पर होंगे, तब कपड़ों में न केवल स्थानीय स्तर पर कारोबार बढ़ने की उम्मीद की जा रही है, बल्कि निर्यात में कारोबार बढ़ाने के भरपूर अवसर हैं। भारत तथा आस्ट्रेलिया के बीच मुक्त व्यापार करार हो जाने के बाद वहां की निर्यात मांग में एकाध महीने के बाद भारी सुधार होने की उम्मीद कपड़ा उद्योग को है, भले ही अभी निर्यात मांग कमजोर है।

डाईंग हाउसों में निर्यात और गारमेण्ट का कामकाज होना शुरू हो गया है। सिंथेटिक यार्न के भाव में कोई भारी घटबढ़ नहीं होने से सिंथेटिक कपड़ों में हल्का मूवमेंट है। यूएस और यूरोप की अर्थव्यवस्था पर रूस एवं यूक्रेन के बीच लंबी खींची जंग का व्यापक असर देखा जा रहा है। इसका असर भारत से निर्यात होने वाले कपड़ों और गारमेण्ट पर भी देखा जा रहा है। चीन की सप्लाई चैन चरमरा जाने के बाद विदेशी आयातकों की मांग भारत सहित दूसरे देशों की ओर मुड़ी थी, लेकिन अब विदेशी निर्यात मांग घटी है। यद्यपि पहले मिले ऑर्डर अभी तक कैंसल नहीं हुए हैं, लेकिन इनके शिपमेंट में कुछ देरी की रिपोर्ट है। अमेरिका एवं यूरोप में 20 दिसम्बर से 10 जनवरी तक क्रिसमस वेकेशन है।

कपड़ों के उत्पादन में अभी भी तेजी नहीं है, जबकि आगे सीजनल मांग अच्छी रहने का अनुमान है और कपड़ों का अधिक स्टॉक कहीं भी नहीं है। पाइपलाइन पूरी तरह से खाली है, फिरभी उत्पादन के सभी प्रमुख केंद्रों पर एक तरह की निराशा और हताशा दिखाई दे रही है। सूती ग्रे कपड़ों के भाव घटे हैं, फिर भी कपड़ों की मांग अपेक्षानुकूल नहीं होने से वीवर्स उत्पादन को लेकर उलझन महसूस कर रहे हैं। न केवल वीविंग में अपितु प्रोसेसिंग में भी कामकाज बहुत अच्छा नहीं है। हर कोई बाजार के रुख पर नजर लगाए हुए है। कॉटन यार्न के भाव घटे हैं, लेकिन कोई स्थिरता नहीं होने से भाव में आगे क्या रुख होगा, इसे ध्यान में रखते हुए ग्रे कपड़ों का उत्पादन किया जा रहा है।

कॉटन यार्न के अस्थिर भाव, बाजार में मांग का अभाव तथा बिजली की ऊंची दरों के कारण तिरूपुर तथा कोयम्बटूर के ग्रे कपड़ा उत्पादक मुश्किल में फंस गए हैं। इनकों कपड़ों के उत्पादन और बिक्री करने पर प्रति मीटर तीन से चार रू का नुकसान उठाना पड़ रहा है। तमिलनाडु टेक्सटाइल इंटरप्योनर्स एसोसिएशन का कहना है कि 28 नवम्बर 2022 से 14 दिनों के लिए ग्रे कपड़ा उत्पादकों द्वारा उत्पादन बंद रखा जाएगा। इस अवधि के दौरान करीब 300 से अधिक कपड़ा इकाई और वीविंग इकाई बंद रहेगी और कॉटन यार्न की खरीदी भी फिलहाल बंद रहेगी। भिवंडी में भी शत् प्रतिशत कॉटन कपड़ों में पोलिएस्टर फाइबर मिक्स किया जा जा रहा है, ताकि कपड़ों की लागत कम आए।

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए वी.के. प्रिण्टर्स, बी-36, सुदर्शन पुरा, इण्डस्ट्रियल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। **संपादक-योगेन्द्र शर्मा**।